



सैंट्रल सिंगापुर के हिंडो नेचर पार्क की सुबह चिड़ियों के चहचहाने से गुंजायमान रहती है। लेकिन एक स्वर, स्पष्ट रूप से अलग सुनाई देता है, स्ट्रैंड्ड बुलबुल की लम्बी, गड़गड़ाहट भरी "कोल"। सिंगापुर में इस प्रजाति का अध्ययन करने वाले दो लोगों में से एक, संरक्षणविद, हो हुआ चिऊ कहते हैं, "जब भी मैं इसका गूँजने वाला चहचहाता हुआ गाना सुनता हूँ तो लगता है कि, वन जीवन्त हो उठा है।" इस चिड़िया की मधुर आवाज़ ही इसकी हानि का कारण बन गयी है। एशिया के साँग बर्ड्स के व्यापार में, इस प्रजाति की सबसे अधिक मांग है। हर वर्ष, मनभावन स्वर वाली हजारों चिड़ियाँ दक्षिण-पूर्वी एशिया के जंगलों से पकड़ी जाती हैं, मनोरंजन के लिए घर में रखने और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए। इस कारण जंगलों में इनकी आबादी तेजी से कम होती जा रही है। साँग बर्ड ट्रेड के कारण 40 से ज्यादा प्रजातियाँ भारी खतरे में हैं। बाजार में चिड़ियों की मांग को पूरा करने के लिए साउथ ईस्ट एशिया में स्ट्रैंड्ड बुलबुल की आबादी नष्ट हो गई है। इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ कंज़र्वेशन ऑफ़ नेचर (आई.यू.सी.एन.) ने वर्तमान में इसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त श्रेणी में रखा है। ऐसा मानना है कि, यह प्रजाति थाईलैंड में और संभवतया म्यांमार व इंडोनेशिया के जावा और सुमात्रा द्वीपों में पहले से ही विलुप्त हो चुकी है। मलेशिया प्रायद्वीप और इंडोनेशिया के बोर्नियो में भी इनकी आबादी तेजी से घट रही है। सिंगापुर ही एकमात्र शहर-देश है जिसने इस गिरावट के दौर को रोका है। यह अत्यधिक शहरीकृत द्वीप-राष्ट्र, इस प्रजाति के लिए अप्रत्याशित आश्रय के रूप में उभर कर आया है, जहाँ तीन दशकों के संरक्षण कार्यों के कारण, इस चिड़िया की आबादी धीरे-धीरे ही लेकन, लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2020 में प्रकाशित एक न्यूनतम अनुमान के अनुसार, सिंगापुर में लगभग 600 स्ट्रैंड्ड बुलबुल हैं। स्ट्रैंड्ड बुलबुल को बचाने का प्रयास, 30 वर्षों से पहले शुरू हुआ था। नॉन प्राफिट संगठन, "नेचर सोसायटी सिंगापुर" के बर्ड ग्रुप ने पूलाउ उबिन क्षेत्र और मुख्य द्वीप पर कुछ क्षेत्रों में इस प्रजाति को बचाने के अभियान का नेतृत्व किया था। चिड़ियों में रुचि रखने वाली, नेचर सोसायटी सिंगापुर की एक वालंटियर बैटी शाँ कहती हैं, "पहले हम स्ट्रैंड्ड बुलबुल को केवल पूलाउ उबिन में या सिंगापुर के सैंट्रल कैम्पेस्ट एरिया जैसे कुछ ही क्षेत्रों में देख सकते थे लेकिन अब हमें इनकी मधुर आवाज़ वहाँ भी सुनाई देती है जहाँ पहले आशा नहीं करते थे।"

पाली से तीसरी बार चुनाव जीत सकते हैं भाजपा के पी.पी. चौधरी

गौरतलब है कि पाली से आज तक कोई भी सांसद तीन बार नहीं जीता है

पाली, 5 मई (नि.सं.)। पाली लोकसभा क्षेत्र में मतदान के दिन से ही संभावित नतीजों के बारे में चर्चा का बाजार गर्म है, हालांकि इस बार जिले में कोई लहर नहीं दिखी, चुनाव प्रचार, होर्डिंग बाजी, भोंपू प्रचार, झंडिया लगाना और आम सभा जैसा कुछ भी नहीं रहा। लोकसभा चुनाव का कोई खास माहौल नहीं दिखा।

भाजपा के प्रत्याशी पी.पी. चौधरी की नामांकन सभा में गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सतीश पूनिया मौजूद रहे तो कांग्रेस की प्रत्याशी संगीता बेनीवाल की नामांकन रैली में अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटसरा मौजूद रहे। इसके बाद पाली शहर में कोई बड़ी मोर्चा नहीं हुई, पूरा चुनाव भोपालगढ़, ओसियां पर फोकस रहा। जहाँ भाजपा से अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल सहित कई नेता पहुंचे। वहीं कांग्रेस के अशोक गहलोत ने भोपालगढ़ और बाली में मोर्चा लगाया। भाजपा से पी.पी. चौधरी को

- पी.पी. चौधरी को प्रधानमंत्री मोदी की नज़दीकी के कारण तीसरी बार फिर पाली से टिकट मिला है। वे पाली में इतिहास रचने के करीब हैं।
- कांग्रेस ने यहां से महिला बाल विकास आयोग की अध्यक्ष रही संगीता बेनीवाल को टिकट दिया है उन्हें गहलोत का करीबी माना जाता है।
- संगीता बेनीवाल के प्रचार में कांग्रेस का कोई बड़ा नेता नहीं आया, यही नहीं टिकट घोषणा में देरी होने के कारण संगीता खुद भी सब जगह नहीं जा पाई।

प्रधानमंत्री मोदी के नज़दीक होने के कारण तीसरी बार टिकट मिला। उन्होंने 2014 में कांग्रेस की मुन्नी देवी गोदारा को साढ़े तीन लाख वोट से और 2019 में कांग्रेस के बड़ी जाखड़ को 4.50 लाख वोट से हराया था। जहाँ भाजपा को राम मंदिर, मोदी की गारंटी, राजस्थान सरकार की योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है। भाजपा की परंपरागत हर जाति के वोट मिले, वहीं कांग्रेस को अल्पसंख्यक और परंपरागत

साथ चुनाव प्रचार में भी नहीं रहा। पाली क्षेत्र नया था, जबकि भाजपा के प्रत्याशी को तीसरी बार टिकट मिलने के कारण लोकसभा क्षेत्र में कोई दिक्कत नहीं आई। यहां से सात सीटों पर भाजपा विधायक हैं जो कमान संभाले हुए थे, भाजपा का आई.टी. सेल मीडिया भी प्रभावी ढंग से काम कर रहा था।

कांग्रेस का कोई बड़ा कार्यक्रम नहीं हुआ। चुनाव के तीन दिन पहले भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के मंडी की भाजपा प्रत्याशी फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत का रोड शो करवाया, जो काफी सफल रहा। मतदान के दिन अवश्य चुनावी माहौल देखा गया पर संतुलन भाजपा के पक्ष में दिखा सभी बूथ पर भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे, वहीं कुछ वॉर्ड को छोड़ कांग्रेस कार्यकर्ता नदारद रहे। इस प्रकार पाली लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी चौधरी तीसरी बार जीत हासिल करेंगे, तो यह रिकॉर्ड बनेगा, पाली से लगातार कोई भी सांसद तीन बार नहीं जीता।

वोट मिले। कांग्रेस नेताओं का भी मानना है कि पार्टी अच्छी टक्कर देगी। पाली जिले में आठ विधानसभा क्षेत्र पाली, बाली, सोजत, सुमेरपुर, भोपालगढ़, ओसिया, विलाड़ा हैं। यहां कांग्रेस से संगीता बेनीवाल मैदान में हैं जिन्हें महिला बाल आयोग अध्यक्ष होने और अशोक गहलोत के नज़दीक होने के कारण टिकट मिला। टिकट की देरी से घोषणा होने के कारण वे पूरे क्षेत्र में नहीं घूम सकी। कोई बड़ा नेता उनके

करौली-धौलपुर लोकसभा सीट में कम मतदान के बावजूद भाजपा का पलड़ा भारी

बसपा के प्रत्याशी की मौजूदगी से भी कांग्रेस के वोट कटेंगे

करौली/धौलपुर, 5 मई (नि.सं.) करौली-धौलपुर लोकसभा सीट, जहाँ की आठ विधानसभा क्षेत्र करौली, हिंडौन, टोडाभीम, सपोटरा और धौलपुर, राजाखेड़ा, बाड़ी, बसेड़ी हैं, में इस बार 49.29 प्रतिशत मतदान हुआ है जो पिछले 2019 के चुनाव में हुए मतदान से करीब 5.13 प्रतिशत है। आम धारणा है कि कम मतदान से नतीजों में कांग्रेस को लाभ होता है लेकिन इस बार कुछ उल्टा होता देखा जा रहा है कि कम मतदान और कांग्रेस की कड़ी चुनौती के बाद भी करौली-धौलपुर सीट भाजपा के पक्ष में जाने के संकेत मिल रहे हैं।

इस सीट पर वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में 54.62 एवं वर्ष 2019 में 54.42 और इस बार 49.29 प्रतिशत मतदान रहा है जो

पिछले दो बार के मतदान से कम रहा है। वर्ष 2014 एवं 2019 के मतदान में मोदी लहर का असर रहा। इस बार भी मोदी लहर का असर तो रहा, लेकिन 19 अप्रैल जिस दिन मतदान था, उस दिन बड़ा सावा होने के कारण मतदान प्रतिशत कम रहा। यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर देखी गई। इस बार करौली- धौलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही एक ही जाति विशेष एस.सी. वर्ग के प्रत्याशी को टिकट दिया है। भाजपा ने इंदू देवी जाटव तो कांग्रेस ने संजय जाटव को मैदान में उतारा। यही वजह है कि दोनों पार्टियों में कंटे की टक्कर रही और अब जीत का अंतर बहुत कम रहने की उम्मीद भी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कम मतदान के बीच भी भाजपा की जीत के आसार हैं।

- कांग्रेस ने यहां से भजनलाल जाटव और भाजपा ने इंदू देवी जाटव को टिकट दिया है। हालांकि एस.सी. वर्ग कांग्रेस का वोट बैंक माना जाता है पर भाजपा व कांग्रेस दोनों दलों के प्रत्याशियों के एक ही वर्ग से होने के कारण एस.सी. वोट बंट गए जिससे कांग्रेस नुकसान में रहेगी।
- मतदान से तीन दिन पूर्व धौलपुर की कांग्रेस विधायक शोभारानी कुशवाहा के करीबी रिश्तदार भाजपा में शामिल हो गए इससे भी कांग्रेस को नुकसान होगा।
- बाड़ी के बसपा विधायक जसवंत गुर्जर, जो विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा छोड़ बसपा में आए थे, ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल की सभा में भाजपा को समर्थन दिया, इससे गुर्जर वोटों का रूझान भी भाजपा की तरफ हो गया।

भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी एक ही जाति के हैं इसलिए एस.सी. वोट

जिस कांग्रेस का वोट बैंक माना जाता है, बंट गए इससे भाजपा को लाभ होने

की संभावना है। इसके अलावा माली, कुशवाहा वोटर भी कांग्रेस के माने जाते हैं। लेकिन इस बार इस वर्ग के वोटर ने भी कांग्रेस से दूट कर भाजपा का रुख किया है। क्योंकि धौलपुर की विधायक शोभा रानी कुशवाहा के रिश्तदारों ने मतदान से तीन दिन पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की चुनावी सभा में कांग्रेस छोड़ भाजपा की सदस्यता ले ली, जिसका भी भाजपा को फायदा मिलने की संभावना है।

इसके अलावा एक और कारण निकलकर सामने आया है कि बाड़ी विधानसभा क्षेत्र से बसपा विधायक व सपा के जसवंत गुर्जर भी धौलपुर में मतदान से पूर्व मुख्यमंत्री की चुनावी सभा में भाजपा के पक्ष में खुलकर सामने आ गए। जसवंत गुर्जर विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा छोड़कर बसपा में

गए थे। इससे गुर्जर मतदाताओं के भी भाजपा के पक्ष में मतदान करने की चर्चा रही। करौली जिले कि टोडाभीम और सपोटरा विधानसभा क्षेत्र मीणा बहुल क्षेत्र हैं और जिनको कांग्रेस का वोटर माना जाता है। लेकिन इन सप्ताह दिवस के अवसर पर बड़ा सावा होने के कारण मीणा वोटर का मतदान के प्रति कम रूझान देखा गया और इसीलिए सपोटरा और टोडाभीम का मतदान प्रतिशत कम रहा। फिर भी टोडाभीम और सपोटरा से कांग्रेस को कुछ बढ़त मिल सकती है।

करौली-धौलपुर सीट पर बसपा प्रत्याशी भी मैदान में हैं, इससे कांग्रेस को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचा है। वर्ष 2014 व 2019 में लगातार दो बार यहां से भाजपा के डॉ. मनोज राजौरिया (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किसानों ने दिल्ली-कटरा रेलमार्ग जाम किया

जम्मू, 5 मई (वार्ता)। पंजाब में शंभू सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन के मद्देनजर दिल्ली और कटरा के बीच चार ट्रेनें सात मई तक रद्द कर दी गयी हैं और कई अन्य ट्रेनें के आगमन

- पंजाब में शंभू सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन के मद्देनजर दिल्ली और कटरा के बीच चार ट्रेनें सात मई तक रद्द कर दी गयी हैं और कई अन्य ट्रेनें की भी समय सारणी पूरी तरह से गड़बड़ा गई है।

निर्धारित समय से कुछ घंटों की देरी से हो रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि, पंजाब में किसानों के विरोध-प्रदर्शन के कारण दिल्ली-कटरा खंड के बीच चलने वाली ट्रेनें की समय सारणी पूरी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी का मेगा रोड शो, जमकर भीड़ उमड़ी

अयोध्या पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर में भगवान श्री रामलला का दर्शन एवं पूजन किया और दण्डवत प्रणाम कर आशीर्वाद मांगा

अयोध्या, 5 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अयोध्या में भगवान श्री रामलला का दर्शन पूजन करने के बाद सुग्रीव किला से रोड शो की शुरुआत की। प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश में इटावा और धौलपुर की चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के बाद शाम को अयोध्या हवाई अड्डे पहुंचे जहां से सड़क मार्ग से भगवान श्रीराम के मंदिर पहुंचे।

मोदी ने अयोध्या से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार व सांसद लल्लू सिंह के समर्थन में फूलों और बैनर से सजे एक खुले वाहन (रथ) पर सवार होकर रोड शो शुरू किया और वाहन पर उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद हैं। इस दौरान उनकी सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किये गये थे। भाजपा के एक नेता ने

- रोड शो के लिए प्र.मंत्री मोदी का रथ जैसे ही आगे बढ़ा नारों से वातावरण गूंज उठा। जय श्री राम, हर हर मोदी-घर घर मोदी, फिर से मोदी सरकार-अबकी चार सौ पार जैसे नारों के बीच उमड़ी भीड़ ने मोदी पर फूलों की बारिश कर दी।
- प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में 2 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। मोदी के रथ पर यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

400 पार के नारे लग रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य द्वार के पास सुग्रीव किला से रथ पर सवार हुए। प्रधानमंत्री के अभिन्दन व स्वागत के लिए राम पथ के दोनों तरफ जनता काफी पहले से उनका इंतजार कर रही थी। इस दौरान उनकी सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किये गये थे। भाजपा के एक नेता ने बताया कि, सुग्रीव किला से लता मंगेशकर चौक तक करीब दो किलोमीटर की दूरी के बीच मोदी के रोड शो के लिए 7.5 ब्लॉक बनाये गये हैं, जहां हर वर्ग के लोग प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए मौजूद हैं। इसके पहले मोदी ने राम मंदिर में भगवान श्री रामलला का दर्शन पूजन किया और पूरी तरह लेटकर आशीर्वाद

मांगा। मोदी मंदिर में करीब 15 मिनट रहे और इस दौरान मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने पूजन और आरती भी की। रोड शो के लिए मोदी का रथ जैसे ही आगे बढ़ा नारों से वातावरण गूंज उठा। जय श्री राम, हर हर मोदी-घर घर मोदी, फिर से मोदी सरकार-अबकी चार सौ पार जैसे नारों के बीच उमड़ी भीड़ ने मोदी पर फूलों की बारिश कर दी। प्रधानमंत्री के स्वागत में जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। बाल कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। साधु संत भी सड़क के किनारे खड़े होकर मोदी के स्वागत में उत्साहित दिखे। मोदी के स्वागत में बच्चे, बड़े और महिलाएं भी मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस वर्ष 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गयी।

तीसरे चरण का प्रचार खत्म

नयी दिल्ली, 5 मई (वार्ता)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार का शोर रविवार की शाम पांच बजे थम गया। चुनाव आयोग तीसरे चरण की वॉटिंग को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। चुनाव के वोटों की गिनती चार जून को की जाएगी।

तीसरे चरण के चुनाव में गृह मंत्री अमित शाह, ज्योतिरादित्य सिंधिया,

- तीसरे चरण के चुनाव में गृह मंत्री अमित शाह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, डिंपल यादव व सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गजों की साख दांव पर होगी।

शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, डिंपल यादव, सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गजों का फैसला होगा।

अब तक देश में लोकसभा के पहले चरण में 19 अप्रैल को 21 राज्यों की 102 सीटों पर मतदान हुआ। फिर 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हुआ जिसके बाद अब सात मई को तीसरे चरण के मतदान होंगे। जिसके बाद 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवें, 25 मई को छठे, एक जून को सातवें चरण के मतदान होंगे। चार जून को वोटों की गिनती की जाएगी।

तीसरे चरण के लिए सभी प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों ने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश के रोड शो में अभद्र नारे लगे, महाराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़े कार्यकर्ता

महाराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़ने को लेकर पुलिस ने सपा समर्थकों और नेताओं पर एफ.आई.आर. दर्ज की

मैनपुरी, 5 मई। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर दो चरणों का मतदान समाप्त हो चुका है। तीसरे चरण के लिए 7 मई को मतदान कराया जाएगा। वहीं 5 जून को चुनाव प्रचार थम जाएगा। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव चुनाव प्रचार करने के लिए मैनपुरी पहुंचे। यहां उन्होंने रोड शो किया। अखिलेश यादव के रोड शो में शामिल समाजवादी पार्टी के समर्थकों और नेताओं ने इस दौरान अभद्र नारे लगाए और महाराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़ गए। महाराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़ने को लेकर पुलिस ने सपा समर्थकों और नेताओं पर एफ.आई.आर. दर्ज की है।

बता दें कि बीते दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मैनपुरी पहुंचे थे यहां उन्होंने रोड शो किया और इसकी समाप्ति के बाद वह महाराणा प्रताप की मूर्ति के पास पहुंचे और उन्होंने महाराणा प्रताप को पुष्पजलि अर्पित की थी। इसके दो दिन बाद ही मैनपुरी में इस तरह की घटना खेलेने को मिली है। बता दें कि, इसका वीडियो भी सामने आया है जिसमें कुछ लोग अभद्र नारे लगाते और गालियां देते दिख रहे हैं। बता दें कि इस वीडियो में सपा समर्थकों के कि, वे जसवीर सिंह को वोट देकर जिताने का काम करें। बता दें कि, मैनपुरी में योगी आदित्यनाथ के स्वागत और

- गौरतलब है कि, इस मामले का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें कुछ लोग अभद्र नारे लगाते और गालियां देते दिख रहे हैं। इस वीडियो में सपा समर्थकों के हाथ में समाजवादी पार्टी का झण्डा भी दिख रहा है, जो महाराणा प्रताप की मूर्ति के ऊपर चढ़े हुए हैं।

बता दें कि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर समाजवादी पार्टी के समर्थकों द्वारा चढ़े जाने के बाद सूबे में राजनीति तेज हो गई है। मैनपुरी में महाराणा प्रताप की प्रतिमा को क्षति पहुंचाये जाने के विरोध में आक्रोशित जनता सड़क पर उतर आई। कायस्थ समाज, वैश्य समाज, सविता समाज, सर्व समाज, लोधी समाज, शाक्य समाज, क्षत्रिय समाज के साथ अन्य सामाजिक संगठन के हजारों लोग शनिवार रात से ही प्रताप चौक पर घरना प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि, सपा समर्थक द्वारा की गई हरकत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

बता दें कि दो दिन पहले ही मुलायम सिंह यादव के गढ़ मैनपुरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी रैली की थी। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यहां से जसवीर सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने लोगों से अपील की कि, वे जसवीर सिंह को वोट देकर जिताने का काम करें। बता दें कि, मैनपुरी में योगी आदित्यनाथ के स्वागत और

रोड शो के दौरान कई बुलडोजर एक साथ देखे गए, जिनकी रैली निकाली गई। इसका वीडियो जब सोशल मीडिया पर आया तो इसे देखकर हर कोई हैरान था। बता दें कि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बुलडोजर बाबा के नाम से भी जाना जाता है।

भाजपा ने महाराणा प्रताप के अपमान का आरोप लगाते हुए सपा को आड़े हाथ लिया, तो सपा ने इसके लिए भाजपा की जवाबदेह ठहरा दिया। पूरे मामले में पुलिस की सक्रियता के चलते दो एफ.आई.आर. भी सौ से अधिक अज्ञात लोगों पर दर्ज कर ली गई। उधर देर रात दशाहरे के गांव जसवंतपुर से पुलिस ने तीन युवकों को इस मामले में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

शनिवार को देर रात सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रत्याशी डिंपल यादव के साथ करहल चौघाटे पर रोड शो खत्म किया और सैफई के लिए रवाना हो गए। रात करीब साढ़े 11 बजे एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिसमें आत्मविश्वास नहीं, उसमें अन्य चीजों के प्रति विश्वास कैसे उत्पन्न हो सकता है। -विवेकानंद

बस! इतनी-सी आकांक्षा है

जब पूरा देश लोकतंत्र का महापर्व मना रहा है, इस बात की तरफ ध्यान जाना भी स्वाभाविक है कि आखिर लोकतंत्र है क्या! सामान्यतः हम लोकतंत्र को एक शासन पद्धति के रूप में जानते-मानते हैं। अब्राहमलिंगकन के नाम से जिस कथन को बहुधा उद्धृत किया जाता है उसके अनुसार लोकतंत्र "लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए" सरकार है। इस कथन में भी सारा बल सरकार पर है। माना जाता है कि लोकतंत्र शब्द ग्रीक शब्द "डेमोस" से आया है, जिसका अर्थ है लोग, और "क्रैटोस" जिसका अर्थ है शक्ति। इस तरह लोकतंत्र को 'लोगों की शक्ति' के रूप में समझा जा सकता है। कह सकते हैं कि लोकतंत्र शासन करने का ऐसा एक तरीका है जो लोगों की इच्छा पर निर्भर करता है। हम बचपन से ही यह पढ़ते आए हैं कि लोकतंत्र की पांच प्राथमिक विशेषताएँ हैं: स्वतंत्र न्यायपालिका, निर्वाचित प्रतिनिधि, नागरिक स्वतंत्रता, संगठित विपक्षी दल, और कानून का शासन। इन पांच प्रमुख विशेषताओं के अलावा भी लोकतंत्र की अन्य अनेक विशेषताएँ हैं, जैसे इसका आधार समानता का सिद्धांत है, यह आम लोगों की भलाई के लिए काम करता है, इसके द्वारा निर्वाचित सरकार जिम्मेदार और जनता के प्रति जवाबदेह होती है, सभा संघ और भाषण की आजादी होती है, नागरिकों के अधिकार और स्वतंत्रता सुरक्षित रहते हैं, प्रत्येक नागरिक के लिए समानता और स्वतंत्रता की गारंटी होती है, सबको समान अधिकार प्राप्त होते हैं, जाति, संपत्ति, धर्म या रंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है, हर नागरिक को मतदान का अधिकार होता है और चुनाव निष्पक्ष होते हैं, शासकों को जनता का समर्थन प्राप्त होता है, आदि।

इन सब बातों के साथ-साथ मुझे लगता है कि लोकतंत्र केवल शासन चलाने और चुनाव करने तक सीमित व्यवस्था न होकर एक सोच है, एक मानसिकता है। जब हम बोलचाल की भाषा में भी यह कहते हैं कि अमुक व्यक्ति स्वभाव से लोकतांत्रिक है तो हम उसके शासन करने की योग्यता की बात न करके उसकी मानसिकता की बात कर रहे होते हैं। जो वही हमें अपने जैसा समझे, और जो दूसरों के अधिकारों की भी रक्षा करने को तैयार रहे, उसे हम लोकतांत्रिक कहते हैं। यहाँ अन्याय ही अठारहवीं सदी के फ्रांसीसी चिंतक और दार्शनिक वॉल्टेयर का यह लोकप्रिय कथन याद आ जाता है कि "हो सकता है कि मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊँ, परन्तु विचार प्रकट करने के आपके अधिकार की रक्षा करूँगा।" यही मानसिकता आपको सच्चा लोकतांत्रिक बनाती है।

लेकिन मौसम क्योंकि चुनाव का चल रहा है, हम फिर से उसी पर लौटते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था एक आम नागरिक को चयन-सक्षम बनाती है, उसे चुनने का अधिकार देती है। यह बहुत बड़ी बात है और हम स्वाभाविक रूप से इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि जहाँ अन्य कई देशों के नागरिकों को यह अधिकार लम्बी लड़ाई के बाद मिला, हमें अपने संविधान के लागू होने के पहले ही दिन से यह अधिकार मिल गया। चुनाव में बहुत सारे लोग अपनी-अपनी योजनाओं को बताते हुए हमारे सामने होते हैं और हम उनमें से किसी के पक्ष में अपना मतदान करते हैं। कालांतर में इसमें एक और विकल्प जुड़ गया - नोटा का विकल्प। अर्थात् हम चाहें तो यह कह सकते हैं कि जो नाम हमारे सामने है उनमें से कोई भी हमें पसंद नहीं है। लेकिन, बहुत खास बात यह कि लोकतंत्र में चुनाव हमें चयन का अधिकार देता है।

यह बहुत अस्वाभाविक बात नहीं है कि हर व्यवस्था की तरह इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी कुछ विकृतियाँ घुस आई हैं। लोग, और दल, बूटें वादे करने लगे हैं, अपने किए हुए वादों से मुकरने लगे हैं, बजाय खुद अपनी योजनाएँ या अपने किए हुए काम बताने के, यह बताने में सारी ऊर्जा खपाने में लगे हैं कि उनके प्रतिपक्षी में क्या-क्या कमियाँ हैं, और ऐसा करते हुए वे शालीनता की धज्जियाँ भी उड़ाने लगे हैं। अब बहुत बार लगता है चुनाव कोई अभिजात, इज्जतदार लोग न

यह बहुत अस्वाभाविक बात नहीं है कि हर व्यवस्था की तरह इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी कुछ विकृतियाँ घुस आई हैं। लोग, और दल, झूठे वादे करने लगे हैं, अपने किए हुए वादों से मुकरने लगे हैं, बजाय खुद अपनी योजनाएँ या अपने किए हुए काम बताने के, यह बताने में सारी ऊर्जा खपाने में लगे हैं कि उनके प्रतिपक्षी में क्या-क्या कमियाँ हैं, और ऐसा करते हुए वे शालीनता की धज्जियाँ भी उड़ाने लगे हैं।

जा रही है, हालाँकि वह भी हासिल तो धन से ही होता है। प्रतिपक्षी प्रत्याशियों को डराना-धमकाना अब अपवाद नहीं रह गया है। इस उद्देश्य के लिए संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग की चर्चाएँ भी आए दिन सुनने को मिलती हैं। अब वह और होने लगा है कि शक्तिशाली प्रत्याशी लोकप्रिय होकर चुनाव जीतते से आगे बढ़कर निर्विरोध चुनाव जीतने को तयजोह दे ले लगे हैं। ऐसा करने में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग की आशंकाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है।

इस बार के चुनाव में सूरत, इंदौर, चण्डीगढ़ और खरारहो में जो हुआ है उसने समझदार लोगों को चिंतित किया है। भले ही इन जगहों पर जो हुआ वह बगैर किसी बेईमानी के हुआ हो, उसे शुभ नहीं कहा जा सकता। इसलिए शुभ नहीं कहा जा सकता कि अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं से उनका मताधिकार छीना जाता है तो यह उनके प्रति अन्याय होता है। और यदि यह, मताधिकार में किसी को वोट देने के अधिकार के साथ-साथ नोटा के उपयोग का अधिकार भी शामिल है। मान लीजिए किसी एक निर्वाचन क्षेत्र में एक को छोड़कर शेष सारे प्रत्याशियों के नामांकन पत्र रद्द हो जाते हैं, या कुछ के रद्द हो जाते हैं और कुछ नाम वापस ले लेते हैं तो वहाँ एक ही प्रत्याशी बचता है जिसे निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाता है। अब कल्पना कीजिए कि मैं उसी निर्वाचन क्षेत्र का एक मतदाता हूँ और मैं उस निर्विरोध निर्वाचित प्रत्याशी सहित सभी के खिलाफ नोटा का प्रयोग करना चाहता था, तो क्या मुझे अपने इस अधिकार से वंचित नहीं किया गया है?

इधर हमारे चुनावी परिदृश्य में एक और चर्चा है। वाराणसी की सीट से देश के प्रधानमंत्री जी चुनाव लड़ रहे हैं। उसी सीट से एक स्टैण्डअप कॉमेडियन ने भी अपना नामांकन पत्रा भरने की घोषणा की है। अनेक को यह कृत्य मूर्खतापूर्ण या उपहासास्पद लग रहा है। इसलिए कि लोगों को लगता है, प्रधानमंत्री जी और उस कॉमेडियन में बहुत अंतर है। कहाँ वे और कहाँ वे वाला मामला है! प्रधानमंत्री जी एक मंत्रि हैं, उनका दल बहुत बड़ा और समर्थ है, पूरे मीडिया का समर्थन उन्हें हासिल है, आदि-आदि। इनके सामने वह कॉमेडियन तो जैसे कोई हैसियत ही नहीं रखता है। और इस बात को वह खुद भी जानता है। फिर क्यों वह लड़ रहा है? मुझे खुद उस कॉमेडियन की बात में बहुत दम लगा। उसने कहा है कि वह नहीं चाहता कि पिछले दिनों सूरत और चण्डीगढ़ में जो हुआ वही वाराणसी में भी हो। इसलिए वह चुनाव लड़ रहा है। असल में वह हास्य कलाकार एक नागरिक के रूप में अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है और एक नागरिक के रूप में ही अपना दायित्व भी निभा रहा है। और इसके लिए उसकी सराहना की जानी चाहिए। हम किसे वोट देते हैं, किसे चुनते हैं यह हमारी अपनी सोच, हमारी अपनी पसंद, हमारी अपनी राजनीतिक संलग्नता का मामला है। यह भी समझना जाना चाहिए कि किसी के खिलाफ चुनाव लड़ना एक सहज नागरिक अधिकार है और यह किसी भी तरह सामने वाले की अवमानना नहीं है। कोई बात नहीं कि यह हास्य कलाकार पराजित हो जाए, उसकी जमानत जब्त हो जाए! चुनाव हमेशा ही जीत-हार के लिए नहीं होते हैं। उनके माध्यम से संदेश भी दिए जाते हैं। अपनी उम्मीदवारी के माध्यम से वह कलाकार पूरे देश को एक संदेश दे रहा है - कि नागरिकों से उनके चयन का अधिकार नहीं छीना जाना चाहिए और चुनाव की व्यवस्था निर्वाचन जारी रहनी चाहिए।

प्रधानमंत्री जी के सामने खड़े इस दुबले-पतले और अकिंचन हास्य कलाकार का खड़ा होना मुझे काबि भरत व्यास के लिखे पुराने किंतु बेहद लोकप्रिय गीत की याद दिलाने को पर्याप्त से अधिक है - निर्बल से लड़ाई बलवान की। ये कहानी है दीये और तूफान की! फिर दुहरा देता हूँ, कोई किसे वोट देता है, किसे चुनता है यह उसका विवेकाधिकार है। इस पर मैं कोई टिप्पणी नहीं कर रहा। मेरा समर्थन केवल इस देश के नागरिक को मिले चुनाव करने के अधिकार की रक्षा के प्रति है। चुनाव होते रहें, साफ-सुथरे तरीके से होते रहें, पांच बरस में एक बार हमें अपने मताधिकार के प्रयोग का मौका मिलता रहे! बस! इतनी-सी आकांक्षा है!

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

ओवरलोड बजरी के ट्रैक्टर-ट्रॉली अधरझूल होकर चलने से राहगीरों की जान मुसीबत में

ओवरलोड वजन होने से ट्रैक्टर-ट्रॉली के आगे के टायर सड़क से ऊपर हो जाते हैं इससे चालक वाहन को मोड़ भी नहीं सकता है

लालसोट/दौसा, (निर्स)। उपखंड मुख्यालय पर घाटे की चढ़ाई में निकलने वाले ओवरलोड बजरी के ट्रैक्टर-ट्रॉली इन दिनों संभावित कोई बड़ी दुर्घटना का कारण बनने को तैयार दिख रहे हैं। यह बजरी के ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली एक साथ बड़ी संख्या में निकलते हैं। इस दौरान बजरी से ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली को चालक दूसरे आगे वाले ट्रैक्टर से आगे निकलने की जुगत में स्पीड बढ़ा देता है। ऐसे में अनियंत्रित बजरी से ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली के आगे के टायर अनियंत्रित होकर हवा में हवा में अधर झूल जाते हैं।

इस दौरान अगर सामने से आए या पीछे से कोई वहाँ ओवरटेक करने का प्रयास करे या फिर सामने आने वाला हुआ निकलना चाहे तो उसके लिए कोई रास्ता नहीं होता है लेकिन बेखौफ यह बजरी माफिया ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉलियों को दिन-रात इसी तरह लोगों की जान मुसीबत में डालकर अवैध परिवहन करते हुए नजर आते हैं। बेखौफ इन बजरी माफियाओं से जुड़े ओवरलोड बजरी के ट्रैक्टर ट्रॉलियों का आलम इस कदर लोगों में खोफ बनकर बैठा हुआ है कि लोग बजरी के ट्रैक्टर-ट्रॉली को आगे देख वहाँ साइड में खड़ा कर उसके निकलाने का इंतजार करते हैं।

हाल ही में चार दिन पहले घाटे की चढ़ाई के दौरान एक अवैध ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक



लालसोट थाना क्षेत्र के घाटे की चढ़ाई में ओवरलोड बजरी के ट्रैक्टर-ट्रॉली के आगे के टायर अधरझूल चलते दिखाई देते हैं।

द्वारा ट्रैक्टर के आगे के टायर ओवरलोड होने के बाद हवा में अधरझूल होने के बाद चलते ट्रैक्टर-ट्रॉली से उतरकर उसकी रील बनाई और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी। क्षेत्र में बजरी माफिया को किनाका संरक्षण प्राप्त है और वह किस तरीके से लोगों की जान संकट में डाल रहे हैं साथ ही अवैध तौर पर बजरी का परिवहन का लोगों में अवैध ओवरलोड

बजरी के परिवहन के आसपास हो रहे आवागमन को किस तरह संकट में डाल देते हैं इसे आसानी से खुली आंखों से देखा जा सकता है। ऐसा भी नहीं है कि बजरी माफिया द्वारा किए गए अवैध बजरी के व्यापार से कोई अनजान हो। पुलिस प्रशासन सहित विभिन्न जिम्मेदार खनिज अभियंता खनिज अधिकारियों की जानकारी में सब होने के बाद भी जिम्मेदार आंख बंद किए

हुए हैं। लोगों के संभावित होने वाले नुकसान एवं अब तक ओवरलोड बजरी के ट्रैक्टर-ट्रॉली से हो चुकी जनहानि को नजरअंदाज कर देते हैं।

लालसोट उपखंड क्षेत्र में हाईवे के किनारे आसानी से बजरी के अवैध स्टॉक लगे हुए आसानी से देखे जा सकते हैं जो सड़क पर फैलकर आवागमन के दौरान वाहनों के फिसलने का कारण भी बना रहे हैं। कई

बार दो पहिया वाहन चालक सड़क किनारे लगे बजरी के स्टॉक से फैली बाजरे से फिसलकर गिरकर घायल हो चुके हैं। लोगों को निर्माण में बजरी की जरूरत है लेकिन इस बजरी को जरूरत स्टोन सैंड से भी पूरी की जा सकती है फिर भी लोगों की पहली पसंद बजरी होने के कारण बजरी के अवैध परिवहन एवं बजरी माफिया क्षेत्र में फल फूल रहे हैं।

राजकीय महाविद्यालय में एक ही पद पर दो प्राचार्य आसीन, शिक्षा व्यवस्था चरमराई

करौली, (निर्स)। एक ओर तो केन्द्र और राज्य सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने की बात करती हैं। वहीं दूसरी ओर जिले के सबसे बड़े एवं नोडल राजकीय महाविद्यालय करौली में गत छह माह से प्राचार्य के पद पर दो व्यक्ति आसीन हैं। जिससे दोनों में आपसी खींचतान बनी हुई है और शिक्षण व्यवस्था चरमराई हुई है।

जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय के राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य के पद पर डॉ. विश्राम लाल बैरवा को राज्य सरकार ने पदोन्नत देते हुए गत वर्ष 6 अक्टूबर 2023 को प्राचार्य पद पर लगाया था, लेकिन

अगले ही दिन इन्हें राजनीतिक व्यवस्था के तहत हटा दिया गया। उनके स्थान पर डॉ. श्रीफल मीणा को प्राचार्य पद पर नियुक्त किया गया था जिसको लेकर डॉ. बैरवा ने न्यायालय की शरण ली और अपनी पुनः बहाली के लिए स्टे आर्डर प्राप्त किया। न्यायालय के दबाव के कारण ही अंततः डॉ. बैरवा को 30 जनवरी 2024 को जाकर प्राचार्य पद का कार्यभार दिया गया। जबकि अक्टूबर से ही प्राचार्य के एक पद पर दो व्यक्ति लगातार कार्य कर रहे हैं। जिसको आज तक सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है, जबकि कई उच्च शिक्षा महाविद्यालयों में प्राचार्य के

■ नोडल राजकीय महाविद्यालय करौली में गत छह माह से दोनों में आपसी खींचतान बनी हुई है

■ कई उच्च शिक्षा महाविद्यालयों में प्राचार्य के पद रिक्त चले आ रहे हैं जिसके चलते उन महाविद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था चरमराई हुई है

पद रिक्त चले आ रहे हैं जिसके चलते उन महाविद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्था चरमराई हुई है।

जिला मुख्यालय स्थित महाविद्यालय में लगभग 50 सहस्राध्य आचार्यों का स्टाफ रहता है। वहाँ दूसरी ओर जिले के अन्य महाविद्यालयों में स्टाफ पूर्णतया खाली

लेकिन इन सभी महाविद्यालयों में एक ही नियमित कार्मिक नियुक्त नहीं है। जिले के दो कृषि महाविद्यालय करौली एवं सूरत हिंडीन में भी कोई स्थाई कार्मिक उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार राजकीय महाविद्यालय मंडरावल, नादीती, मासलपुर आदि मात्र एक-एक नियमित स्टाफ के भरपूर महाविद्यालय चल रहे हैं। जिसके अभाव में शिक्षण व्यवस्था चौपट हो रही है और महाविद्यालय में शैक्षणिक एवं शैक्षणिक स्टाफ के नियमित कार्मिक उपलब्ध नहीं होने के कारण शिक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करवाया जाना संभव नहीं है।

काश्तकारों की 100 वर्ष पुरानी खातेदारी भूमि पर वन विभाग कब्जा करने में लगा

पाटन, (निर्स)। निकटवर्ती ग्राम कालाखेड़ा उर्फ प्रतापपुरा की ढाणी देवलाडी में लगभग 26 बीघा जमीन पर वन विभाग जैसीबी चला कर अपनी जमीन बताते हुए उस पर कब्जा करने में लगा हुआ है। वहीं जिस जमीन पर फसल पैदाकर अपना जीवन-यापन करने वाले काश्तकारों ने बताया कि लगभग 100 वर्षों से जो जमीन हमारे कब्जे में थी, जिसकी खातेदारी हमारे नाम पर दर्ज है, जिस पर हम लोग बुवाई जुताई कर पेट पाल रहे थे, उस जमीन को वन विभाग अपनी बताकर हमें बेघर करने में लगा हुआ है। खातेदारी भूमि के दस्तावेज हैं, इतना सब कुछ होने के बावजूद भी वन विभाग पहाड़ी क्षेत्र में बताकर हमारी उपजाऊ भूमि पर जैसीबी चलाकर खुद की भूमि बता रहा है।

इस बारे में काश्तकारों ने बताया कि जमीन कालाखेड़ा उर्फ प्रतापपुरा की ढाणी देवलाडी निवासी भवानीसिंह धानका, इन्द्राज सिंह, समुंदर सिंह, हवा सिंह, रामोतरा, रामनिवास, धर्मपाल, रमेश, रामकुमार, रामेश्वर, रोहितारा, रामस्वरूप, बाबूलाल आदि के नाम खसरा नंबर 5,6,7,8, 9,10, 11



ग्राम कालाखेड़ा उर्फ प्रतापपुरा की ढाणी देवलाडी में वन विभाग जमीन को अपनी बता रहा है।

दर्ज है, उस भूमि पर वन विभाग कब्जा करने में लगा है। ये सबके सब काश्तकार अनुसूचित जनजाति के हैं जिसमें कुछ बीपीएल में भी शामिल है। इन सभी ने फॉरेस्टर महेश गुर्जर पर आरोप लगाते हुए बताया कि महेश गुर्जर हम लोगों को नाजायज परेशान करने में लगा है, जबकि 30 अप्रैल को हमने एसडीएम कोर्ट नौमकाथाना में सीमा ज्ञान की अर्जी लगाई गई है। यही नहीं हमने वन विभाग के अधिकारियों को सीमा ज्ञान करने के

लिए कहा परंतु मौके पर पटवारी ने कहा कि यह जमीन फॉरेस्टर के नाम है, आपकी जमीन पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। इतना होने के बाद भी वन विभाग द्वारा 100 वर्षों के कब्जे को अपने कब्जे में करने में जुटा हुआ है। अधिकांश हल्का पटवारियों का कहना है कि पाटन तहसील के अधिकांश गांवों का नक्शा सही नहीं होने के कारण सभी खसरा नंबरों में बदलाव आया है। अगर यह नक्शे दुरुस्त हो तब जाकर ही कुछ कहा जा सकता है।

महेश गुर्जर, फॉरेस्टर लादी का बास का कहना है कि उपरोक्त जमीन वन विभाग की है जो वन विभाग के रिकॉर्ड और गूगल मैप पर भी अंकित है। खातेधारकों को पूर्व में भी अवागत करवाया गया था कि आपकी जमीन यहाँ से एक किलोमीटर की दूरी पर है, जिस पर अन्य लोग काब्जिथ थे, जिन्होंने अपना कब्जा हटा लिया है। खातेदारों को अवागत करवाने के बावजूद भी ये लोग हटधर्मीता कर रहे हैं, इसलिए जैसीबी की सहायता से जमीन के चारों

■ 26 बीघा जमीन पर वन विभाग जैसीबी चलाकर कब्जा करने में लगा हुआ है

■ काश्तकारों ने बताया कि सालों से जमीन हमारे कब्जे में थी, जिसकी खातेदारी हमारे नाम दर्ज है

■ ये सब काश्तकार अनुसूचित जनजाति के हैं जिसमें कुछ बीपीएल में भी शामिल है

तरफ खाई खुरवाई गई है। मुनेश सर्वा, तहसीलदार पाटन का कहना है कि वन विभाग अपनी जमीन बता रहा है, पटवारी ने सीमा ज्ञान कर भी जमीन को वन विभाग की बताई है, इसलिए यह कार्यवाही वन विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है। जो कार्रवाई की है वह भी वन विभाग ने ही की है।



राशिफल

सोमवार 6 मई, 2024

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत् 2081, रेवती नक्षत्र सांय 5:43 तक, प्रीति योग रात्रि 12:28 तक, वणिज करण दिन 2:41 तक, चन्द्रमा आज सांय 5:43 से मेघ राशि में संचार करेगा।

ग्रहस्थिति: सूर्य-मेघ, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक-मेघ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज से गुरू बुधत्व प्रातः 7:15 से आरम्भ होगा। आज मास शिव रात्रि है। पंचक सांय 5:43 पर समाप्त होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:27 तक, शुभ 9:06 से 10:45 तक, चर 2:02 से 3:41 तक, लाभ-अमृत 3:41 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:48, सूर्यास्त 6:58

मेघ
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। पारिवारिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यवसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों के आमन से व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु
घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित समस्या हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ रहेगी। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यथान हो सकता है। स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

ओवरलोड वाहनों के खिलाफ पुलिस हुई सख्त

पाटन, (निर्सं)। पुलिस महानिरीक्षक सत्येंद्र सिंह सीकर रंज, पुलिस अधीक्षक प्रवीण नृनावत द्वारा ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के प्रात निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गिरधारी लाल शर्मा के सुपरविजन व अनुज डाल उप पुलिस अधीक्षक नीमकाथाना के निर्देशन में नीमकाथाना सदर पुलिस, पाटन पुलिस, डाबला पुलिस द्वारा ओवरलोड वाहन परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच वाहनों के चालकों को गिरफ्तार कर वाहनों को जप किया गया है।
पाटन थाना अधिकारी नेकी राम एवं उनकी टीम ने एक ओवरलोड वाहन, डाबला पुलिस थानाधिकारी महेंद्र मीणा ने दो ओवरलोड वाहनों एवं सदर पुलिस थाना नीमकाथाना ने एक ओवरलोड डंडर व एक ट्रैक्टर को अवैध खनन करते हुए पाया गया है। तीनों थानों द्वारा चालकों को गिरफ्तार कर वाहनों को जब्त कर कार्रवाई की है। गौतमलाल है की ओवरलोड वाहन द्वारा पाटन थाने की जीप को टक्कर मार कर वाहन को जप कर चढ़ा दिया गया था जिससे तीन पुलिस कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जिला प्रशासन ने घटना के बाद ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए सख्त कार्रवाई शुरू की गई, जिसके चलते अब अधिकांश वाहन अंडरलोड रोड़ी, पथर, डस्ट लाने में लगे हुए हैं।

घर जा रहे युवक का बदमाशों ने किया अपहरण

खेतड़ी, (निर्सं) मेहाड़ा थाना इलाके के बांसियाल गांव में एक युवक को बदमाशों द्वारा गाड़ी में डालकर ले जाने का मामला सामने आया है। इस दौरान युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसे घर से कुछ दूर पटक कर बदमाश फरार हो गए।

बेरहमी से मारपीट कर पटक कर हुए फरार

पास ले जाकर उसके बदन से कपड़े उतरवा बेल्ट से बेरहमी से मारपीट कर वीडियो बनाए गए। इस दौरान आरोपियों ने युवक को पुलिस में सूचना देने पर धमकी दी तथा उसके वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी तथा युवक को वापस घर के पास पटक कर फरार हो गए।
पीडित सोनू ने बताया वह चार माह पहले बसई रायल्टी नाके पर गाड़ी ड्राइवर का काम करता था। इस दौरान आरोपियों ने मूसलतौरा के राहुल के साथ मारपीट की थी। इस दौरान पुलिस के जवान उसकी गाड़ी क्रियर पर लेकर आरोपियों को पकड़ने की दबिश दी तो लोकेश को गिरफ्तार कर लिया था। उसदिन से बदमाश लोकेश पुलिस को सूचना देने की बात पर रंजिश रख रहा था। इससे पहले भी पीडित को धमकी दी गई थी तो वह रायल्टी नाके पर काम छोड़कर कोटपूतली में ट्रैलर चलाने लगा था।

नाबालिक लड़की का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले गिरफ्तार

पुलिस ने नाबालिक लड़की को दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया

खेतड़ी, (निर्सं)। सिंघाना पुलिस ने क्षेत्र से नाबालिक लड़की का अपहरण कर फिरौती मांगने के मामले में देर शाम को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया है। इस दौरान पुलिस ने युवती को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।
थानाधिकारी कैलाश यादव ने बताया कि सिंघाना थाना क्षेत्र की एक महिला ने रिपोर्ट दी कि दस अप्रैल को वह सालासर बालाजी के दर्शन करने के लिए गई थी। इसी दौरान उसके भतीजे ने फोन करके सूचना दी उसकी नाबालिक लड़की घर से गायब है। सूचना पर उसने आस पास रिश्तेदारी में लड़की की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। उसकी लड़की घर से सोने के गहने भी साथ लेकर चली गई। इस दौरान उसकी नाबालिक लड़की को फिरोजपुर पलवल निवासी अर्जुन पुत्र बाबूलाल, सीधल निवासी राकेश पुत्र रामप्रसाद व झुंझुं निवासी लीलाधर पुत्र केसर द्वारा ले जाने की जानकारी मिली।
राकेश पर उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म का केस भी चल रहा है। पुलिस



पुलिस ने चारों आरोपियों को हरियाणा के पलवल से गिरफ्तार किया।

ने महिला की रिपोर्ट दर्ज कर लड़की की तलाश शुरू कर दी। थानाधिकारी यादव ने बताया कि नाबालिक लड़की का अपहरण कर फिरौती मांगने के आरोपियों की तलाश की तो उनकी लोकेशन पलवल हरियाणा में आई।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर होटल से नाबालिक लड़की को दस्तयाब कर सिंघाना हाल आबाद फिरोजपुर पलवल हरियाणा निवासी अर्जुन पुत्र बाबूलाल बावरिया, पलवल निवासी विनोद कुमार पुत्र कैलाश बावरिया, महेश कुमार पुत्र कालीचरण व करणसिंह पुत्र अमीचंद को गिरफ्तार कर लिया।
पुलिस चारों आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है कि वारदात में उनके साथ ओर कौन साथी शामिल है व लड़की का अपहरण कर महिला से फोन पर सात लाख रूपए की फिरौती मांगी थी। इसके बाद पांच लाख रूपए से सौदा तय होने पर चार लाख रूपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए गए थे। पुलिस द्वारा प्रथम पूछताछ में सामने आया कि अर्जुन पुत्र बाबूलाल नाबालिक लड़की का सौतेला बाप है, वर्तमान में वह पलवल में रह रहा है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी कैलाश यादव, एएसआई धुंझुंधी, सिपाही सुशील कुमार, प्रवीण कुमार, विक्रम सिंह, रवि कुमार, सुनील कुमार, विजेन्द्र कुमार, महिला कांस्टेबल सुमन आदि शामिल थे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को जेल भेजा

चूरू, (कासं)। भानीपुरा थाना पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के एक आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भिजवा दिया है।
जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि नाबालिग एमजीएम राजकीय अस्पताल हनुमानगढ़ में अपने पचा बयान में अपने साथ आरोपी गोविंद राम पुत्र भीखाराम द्वारा करीब 5-6 माह पूर्व अपने घर में दुष्कर्म करना व आरोपी गोविंद राम द्वारा दुष्कर्म करने से गर्भवती होना बताया गया। इस पचा बयान पर अभियोग दर्ज कर अनुसंधान राय सिंह उर्फ थानाधिकारी पुलिस थाना भानीपुरा द्वारा शुरू किया गया। वांछित आरोपियों की धरपकड व महिला अत्याचार से सम्बन्धित अभियोगों का त्वरित अनुसंधान कर निस्तारण करने हेतु लोकेशन दादरवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू व अनिल कुमार आरपीएस वृत्ताधिकारी वृत्त सरदारशहर के निकट सुपरविजन में अनुसंधान अधिकारी द्वारा मुकदमा में त्वरित अनुसंधान किया जाकर 4 मई 2024 को प्रकरण में वांछित आरोपी गोविंद राम पुत्र भीखाराम जाति नायक निवासी बोधरा को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर लिया गया। अनुसंधान के बाद रिविवार उसे न्यायालय में पेश किया गया। वहां से उसे जेल भेजा गया है।

सार-समाचार



221 यूनिट रक्तदान किया
चूरू, (कासं)। राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल के ब्लड बैंक में रिविवार को फौजी ब्लड ग्रुप जासासर की ओर से स्व. चूनीलाल सहारण की द्वितीय पुण्य तिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में विभिन्न गांवों के बड़ो वर्ग ने बड़ो-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच रामप्रताप ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि रक्तदान से व्यक्ति को नया जीवन दान मिल सकता है। बीनासर महिला मंडल अध्यक्ष चंचल सोनी ने युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिये प्रेरित किया। शिविर में 221 यूनिट रक्तदान किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष भूंवाराम सहारण, युकेस कुमार गोदारा, एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार बुढानिया, चरणसिंह, सुभाष कुमार भाम्ठू, बलवंत सिंह, जितेन्द्र बाबल, राजवीर सिंह, योगेश सहारण, पूनम कुमार कल्ला, रिछपाल सुधार, सुरेश, गोविंद कल्ला, महेंद्र सहाण, बजरंग सहाण, निर्मल सारस्त सहित बड़ी संख्या में ग्राम जासासर के युवा उपस्थित थे। शिविर संयोजक एडवोकेट चरणसिंह सहारण ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय मीणा महासभा की बैठक

चूरू, (कासं)। राष्ट्रीय मीणा महासभा जिला चूरू की कोर कमेटी की बैठक आदिवासी मीणा छात्रावास चूरू में महासभा के मुख्य संगठन सचिव शबरमल मीणा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी गिरधारीलाल मीणा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.एल. मीणा थे। आदिवासी समाज का कोई भी जरूरतमंद विद्यार्थी प्रवेश हेतु अपना आवेदन कर सकता है। वरिष्ठ अतिथि किरणसिंह मीणा ने छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। महासचिव रामजीलाल मीणा व महासचिव फूलाराम मीणा ने भी विचार व्यक्त किए। बैठक के अंत में वरिष्ठ समाजसेवी पुनराम मीणा शेहला रतनगढ़ के आकांक्षिक निधन व मुख्य महासचिव शरराम मीणा की माताजी के असामयिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में विवेक मीणा, जीवन मीणा, रोहित मीणा, मंगल राम मीणा, ओमप्रकाश मीणा, कृष्ण मीणा, विष्णु मीणा, अक्षय गारसिया, अरविंद आदि उपस्थित थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

चूरू, (कासं)। सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी सेवा संस्थान के जिलाध्यक्ष शंकरलाल बालान की अध्यक्षता में शांति कॉलोनी में बालान कृषि फार्म हाऊस में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालान, संस्थान के संरक्षक जीवनमल बबेरवाल, बजरंग राकसिया, गोवर्धन लाल सैनी, आनंद सैनी, हेमंत, चंद्रप्रकाश, कृष्णा, तारामणि बालान, सुमित्रा सैनी, शंकर शर्मा, विनोद आदि मौजूद रहे। मोर्चा के जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालान ने शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि दहेज लेना व देना दोनों गलत है। आज की युवा पीढ़ी के युवा शादी के समय शादी में दाड़ी बढाकर शादी करते हैं, अभिभावकों को इस ओर ध्यान देना होगा।

सैन जयंती पर किया रक्तदान

चूरू, (कासं)। संत शिरोमणि सैन महाराज की 724 वीं जयंती के उपलक्ष्य पर सैन समाज चूरू के पूर्व अध्यक्ष कपिल भाटी ने रक्तदान किया। यहाँ पूर्व अध्यक्ष कपिल भाटी ने बताया कि आगामी सैन जयंती के अवसर पर सैन समाज के अन्य युवाओं को भी प्रेरित कर रक्तदान के लिए आग्रह किया जाएगा। इस दौरान राजकीय लोहिया कॉलेज के पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष मदन पंवार व गणेश भणभैरु उपस्थित थे।

योग मेडिलिस्ट का किया सम्मान

झुंझुं, (निर्सं)। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद झुंझुं कार्यकारिणी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग में गोल्ड मेडलिस्ट जीतने वाली डीपीएस योग मिस सुदेश चौधरी ग्राम पंचायत बेरला सूरजगढ़ को परिषद द्वारा 2100 रूपए पारितोषिक दिया।

15 घण्टे बाद बेसुध अवस्था में मिली लापता इकरा

तारानगर, (निर्सं)। तारानगर के वार्ड 32 की रहने वाली 7 वर्षीय इकरा शनिवार को स्कूल से छुट्टी होने के बाद रास्ता भटकने की वजह से घर नहीं पहुँची तो उसके पिता सुदाम पुत्र सक्ती मोहम्मद सब्जीपरोस ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया कि मेरी बेटी स्कूल से घर नहीं पहुँची और गायब हो गई।
मामले की गम्भीरता का देखते हुए अति पुलिस अधीक्षक राजगढ़ किशोरी लाल, राजगढ़ वृत्ताधिकारी प्रशान्त किरण के सुपरविजन में व तारानगर वृत्ताधिकारी

7 वर्षीय बालिका स्कूल से घर जाते समय भटकी रास्ता

मीनाक्षी के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन कर उक्त बालिका की तलाश प्रारम्भ की।
तारानगर व आसपास क्षेत्र में अनेक जगह सीसीटीवी के फुटेज देखे गये। गुमशुदा की सूचना के करीब 15 घण्टे बाद मुखबिर की सूचना पर इकरा को

दस्तायाब कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि बच्ची विद्यालय की छुट्टी करीब 12.30 पीएम पर होने पर अपने घर जाने की बजाय मुख्य बाजार से होते हुए सात्यू रोड के पास बीहड़ में चली गईं जहाँ पर रात्री के समय अर्द्धहोशी की हालत में नौद आ गई तथा लगभग 15 घण्टों से बिना पानी व खाने के कारण अर्द्धहोश हो गई जिसका राजकीय उप जिला अस्पताल तारानगर में इलाज चल रहा है। जहाँ इकरा को पूरा तारानगर अपने आसपास तलाश कर रहा था।

कपड़ा व्यापारी का शव दुकान में पंखे पर लटका मिला

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, थाने के सामने धरने पर बैठे ग्रामीण

खेतड़ी, (निर्सं)। बबाई के कालोटा रोड स्थित रेडिमेड कपड़े की दुकान में एक व्यापारी का शव पंखे पर लटका हुआ मिला। इस दौरान परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए रिविवार को आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर थाने के सामने धरना शुरू कर दिया।
थानाधिकारी सरदारमल यादव ने बताया की कालोटा रोड स्थित लोचिबो की ढाणी तन हरदिया निवासी माड्यूराम (50) पुत्र रामकुमार ने कपड़े की दुकान कर रखा है। वह रोजाना की तरह अपनी दुकान पर आया था। शनिवार शाम को दुकान पर एक व्यक्ति कपड़े खरीदने के लिए गया तो दुकान के गेट पर शोशा लगा हुआ था। जब उसने दुकान का शोशा खोला तो शव की पंखे से लटका हुआ देख कर बाहर आकर पड़ोसियों को बताया। जिसकी सूचना पुलिस थाने पर दी गई।
सूचना पर थानाधिकारी मय जाबो के मौके पर पहुँचे तथा परिजनों को सूचना दी। परिजन आने पर शव को उतरवाकर, शव को राजकीय उपजिला



ग्रामीणों ने थाने के सामने धरना देकर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं होने तक दाह-संस्कार नहीं करने केतावनी दी।

अस्पताल खेतड़ी में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से करवाने की मांग की। जिस पर संबंधित अधिकारियों द्वारा मेडिकल बोर्ड का गठन कर पोस्टमार्टम किया गया। मृतक के बेटे व एक बेटा मोहित नेवी में कार्यरत है।
थानाधिकारी ने बताया कि इस संबंध में मृतक के भाई ओमप्रकाश ने

द्वैट व्यापारी पवन, मेडिकल संचालक प्रकाश, प्रभू गुर्जर सहित तीन -चार अन्य के खिलाफ हत्या कर शव को पंखे पर लटकाने की रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।
इस दौरान ग्रामीणों ने थाने के सामने धरना देते हुए आरोपियों को गिरफ्तार नहीं होने तक दाह-संस्कार नहीं करने केतावनी दी। थानाधिकारी ने

ग्रामीणों से सम्झाइश का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग को लेकर धरने पर बैठे रहे। इस दौरान काफी देर तक सम्झाइश की गई तथा करीब छठे घंटे बाद धरने को उठाया गया। इस मौके पर मोहर सिंह, मानसिंह, धर्म सिंह, शीशराम, विजय सिंह, चरणसिंह, महेंद्र, रामगोपाल, बाबूलाल, बुधराम, राजेश, सुबुवीर सिंह, प्रकाश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

चोरी गई पिकअप सिरसा से बरामद

चूरू, (कासं)। भानीपुरा थाना पुलिस ने मात्र 24 घण्टे में चोरी की पिकअप सिरसा से बरामद करके तीन जनों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आई.पी.एस ने बताया कि पुलिस थाना भानीपुरा पर 3 मई 2024 को संजयनाथ पुत्र इन्द्रनाथ जाति नाथ निवासी वार्ड नम्बर 21 सरदारशहर ने रिपोर्ट दी कि मेरे पास एक पिकअप है। तीन मई को वक 1.30 एएम से सुबह 6 बजे के मध्य गांव आसपालसर विनोद की दुकान के आगे से मेरी पिकअप को राकेश नाई पुत्र मांगीलाल नाई निवासी आसपालसर व युकेस पुत्र दिलीप जाति नाई निवासी पांडूसर चोरी कर ले गए। पुलिस ने त्वरित अनुसंधान करते हुए मुकदमा के माल पुलिसजमान की तलाश की जाकर 4 मई को मुल्जिमान राकेश पुत्र मांगीलाल जाति नाई उम्र 20 साल निवासी आसपालसर पुलिस थाना भानीपुरा जिला चूरू, युकेस पुत्र दिलीप जाति नाई उम्र 22 साल निवासी पाण्डूसर पीएस खुईया जिला हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया जाकर अनुसंधान कर सिरसा (हरियाणा) पहुंच चोरी की पिकअप खरीदने वाले कबाड़ी सुनिल पुत्र सतबीरसिंह जाति प्रजापत निवासी संगतपुर रोड रोड़ी नम्बर 10 विशेष नगर सिरसा पुलिस थाना सरदर सिरसा जिला सिरसा हरियाणा को गिरफ्तार कर चोरी की गई पिकअप बरामद की गई। कबाड़ी सुनिल चोरी के वाहन खरीद कर तुरन्त वाहन को अलग-अलग भागों में डिबाड कर पार्ट्स बेच देता है।

सैन जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली

सादलपुर, (निर्सं)। सैन मंदिर रामबास राजगढ़ में रिविवार को 724वीं सैन जयंती धूमधाम से मनाई गई। इससे पूर्व वीती रात्रि को सैन मंदिर रामबास राजगढ़ में आयोजित रात्रि जागरण में कलाकारों ने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुती दी।
वहीं रिविवार दोपहर को नारायणी सेना एवं सैन समाज के द्वारा सैन मंदिर से शोभायात्रा निकाली, करबे के प्रमुख मार्ग श्याम हनुमान मंदिर, जोगी आश्रम, शितला बाजार, घंटाघर, बाबा रामदेव जी मंदिर से होते हुए वापस सैन मंदिर रामबास राजगढ़ में पहुँची। शोभायात्रा में महिलाएं डीजे की धुन पर नाचती जाती चल रही थी। हिसार की पार्टी के द्वारा शोभायात्रा में झाँकिका निकाली गई, जिसमें शिव झाँकी आकर्षण के केन्द्र रही। इसी दौरान बीच रास्ते में श्री श्याम हनुमान की वीर सेवा समिति के द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, महेंद्र पंवार, विजय सिंह पंवार, अध्यक्ष आनन्द चौहान, युकेस चांगल, पूनम चांगल, मनीष नाई, बबलू तंवर, चन्द्र रोहिवाल, रणजीत रोहिवाल, अध्यक्ष जलपान की व्यवस्था की गई। जिसके बाद भण्डारा के आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा को सैन समाज के अध्यक्ष हनुमान दिवाविके ने नेतृत्व में रवाना किया गया। जिसमें हरिक्रिशन भाटी, डॉ सज्जन रोहिवाल, पुरुषोत्तम चौहान, विश्वमर दयाल सैन, गोवरधन नाई पाण्डे, मह

'साहित्य समाज के निर्माण का आधार है'

चूरू, (कासं)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद राजस्थान के संगठन मंत्री एवं संघ के प्रचारक विपिन चन्द्र ने कहा है कि साहित्य समाज के निर्माण का आधार है। उन्होंने यहां एक भेंट वार्ता के दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहा कि मनुष्य जैसा पदुता है, जैसा सोचता है, वैसा ही बनता है। विपिन चन्द्र ने कहा कि भारत का साहित्य विश्व निर्माण का आधार है। उन्होंने कहा कि साहित्यकारों को लोक संस्कार निर्माण के लिए कार्य करना चाहिए। इसके लिए आज के आधुनिक संसाधन काम में लेने चाहिए। श्रेष्ठ साहित्य जन-जन तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में तुलसीदास, वेद व्यास, चाणक्य आदि सहित कितने ही साहित्यकार हुए हैं, जिन्हें कोई सम्मान नहीं मिला, परन्तु वे आज पूरे विश्व में स्थापित हैं। उन्होंने कहा कि सत्ताधारित साहित्यकार अवगुणों का ही शिकार होते हैं।

सत्ता बदलते ही उनके कार्य में बाधा उत्पन्न हो जाती है। राजस्थानी भाषा को मान्यता के संबंध में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राजस्थानी के साहित्यकार एकमत होकर राजस्थानी भाषा व साहित्य के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी एकजुट होकर काम करेंगे तो सकारात्मक परिणाम आएंगे। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद सभी भाषाओं का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को महापुरुषों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

झुंझुनू पुलिस विभाग में दो दशक बाद हुआ बड़ा खाना का आयोजन

पुलिस सामुदायिक भवन में एसपी राजर्षि राज वर्मा ने दिया बड़ा खाना, करीब 550 पुलिस अधिकारी-कार्मिक हुए शामिल



आईजी सत्येंद्र सिंह और एसपी राजर्षि राज वर्मा ने खुद अपने हाथों से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों खाना परोसा और उनके हाल-चाल भी पूछे।

हाल-चाल भी पूछे। इस आयोजन में जिलेभर के 550 से अधिक पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी शामिल हुए। सभी एक-दूसरे से मिलकर काफी खुश नजर आ रहे हैं। आयोजन के दौरान

प्रसिद्ध सिंगर अभिषेक मिश्रा ने अपनी टीम के साथ लाइव परफॉरमेंस दी। वहीं आयोजन में शामिल हुए पत्रकार फैयाज अली ने भी प्रस्तुति देकर खूब दाद बटोरी। देर रात तक पुलिस अधिकारी

और पुलिसकर्मी कार्यक्रम का आनंद ले रहे थे। वहीं अपनी फरमाइश के गाने लाइव सुनकर मनोरंजन कर रहे थे। एसपी राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि वे टॉक में थे। तो विधानसभा चुनावों के

■ सीकर आईजी सत्येंद्र सिंह ने खुद परोसा पुलिसकर्मीयों को खाना

बाद उन्होंने बड़ा खाना का आयोजन किया था। यहां पर भी लोकसभा चुनावों के बाद उन्होंने पुलिस की परंपरा के अनुसार बड़ा खाना का आयोजन किया है। क्योंकि पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मीयों में आपसी सामंजस्य और प्रेम होना चाहिए। बड़ा खाना जैसे आयोजन इसी उद्देश्य के साथ किए जाते रहे हैं।

जिन्हें नियमित जारी रखा जाएगा। कार्यक्रम में जिला जज देवेन्द्र दौशित, जिला परिषद सीईओ अम्बालाल मीणा, डीएफओ बीएल नेहरा, एसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, सिकाळ प्रभारी एसपी फूलचंद मीणा, झुंझुनू ग्रामीण डीएसपी हरिसिंह धायल, नवलगाढ़ डीएसपी मनोज गुप्ता, चिड़वा डीएसपी विकास धींधवाल, एसपी पीए अशोक शर्मा समेत पूरे जिले के डीएसपी, एसएफओ मौजूद थे।

जल्द ही बनेगा अग्रेसन द्वार, दोस्त की मौत के सदमे में ट्रेन से कटा युवक खेतान ट्रस्ट ने दी सहमति

झुंझुनू, (निर्सं)। महाराजा अग्रेसन मार्ग स्थित अग्रेसन भवन में अग्रवाल समाज की कार्यकारिणी और ट्रस्टियों की बैठक अध्यक्ष संपत चुड़ैलेवाला की अध्यक्षता में हुई। जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसके तहत पहले गत बैठक के निर्णयों और विचारों को सविन शिवचरण हलवाई ने सभी के सामने रखी। जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

इस मौके पर चुड़ैलेवाला ने बताया कि अग्रवाल समाज के ट्रस्टी परमेश्वर हलवाई और पीआरओ डॉ. डीएन तुलस्यान के प्रयासों से अग्रेसन द्वार बनाने के लिए भामाशाह परिवार की सहमति मिल गई है। अब यह अग्रेसन द्वार गिरी देवी राज्यालक्ष्मी खेतान ट्रस्ट की ओर से बनाया जाएगा। जिसका निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रेसन मार्ग पर जी लाल पेट्रोल पंप के पास यह अग्रेसन द्वार प्रस्तावित है। इस मौके पर समाज के सभी कार्यकारिणी पदाधिकारियों, सदस्यों और ट्रस्टियों ने खेतान परिवार का आभार बताया। साथ

ही हलवाई और डॉ. तुलस्यान के प्रयासों पर उनकी साधुवाद दिया। प्रस्तावित अग्रेसन द्वार का संयोजक परमेश्वर हलवाई एवं डॉ. डीएन तुलस्यान को बनाया गया जो समाज के पदाधिकारियों से चर्चा कर अग्रेसन द्वार की पूरी रूपरेखा तैयार करेंगे।

इस मौके पर अग्रवाल समाज के गौरव माधव गुप्ता द्वारा यूपीएससी परीक्षा क्रेक करके आईएएस बनने पर खुशी जताई गई। साथ ही माधव गुप्ता का अभिनंदन करने का फैसला लिया गया। माधव गुप्ता, दिवंगत वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एचके गुप्ता के पौत्र और सामाजिक कार्यकर्ता राजेश गुप्ता के पुत्र हैं। जिन्होंने गत दिनों ही यूपीएससी एग्जाम क्लियर किया है। इस प्रस्तावित कार्यक्रम का संयोजक अजीत राणासरिया को बनाया गया। इस मौके पर अध्यक्ष संपत चुड़ैलेवाला ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ समाज को एकजुट करने का लक्ष्य हर एक समाज के व्यक्ति का है। इसलिए आपसी व्यक्तिगत मनमुटाव को दूर करके सभी एक जजम पर बैठकर समाजहित में सुझाव दें।

झुंझुनू, (निर्सं)। दोस्त की मौत से सदमे में एक युवक ने ट्रेन से कटकर सुसाइड कर लिया। उसका शव रिवार सुबह करीब 6 बजे रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। मृतक सदर थाना क्षेत्र के बाकरा गांव का है। दोनों गहरे दोस्त थे।

दोनों बीती रात गांव में ही बोलेरो कार से मेला देखने गए थे। मेला देखने के बाद घर लौटते वक्त कार दीवार से टकरा गई। जिससे एक दोस्त की मौत हो गई। इससे सदमे में आए दूसरे दोस्त ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। दोनों पड़ोसी गांव के थे। सदर थाना अधिकारी दयाराम चौधरी ने बताया कि मृतक आशीष महला (25) पुत्र सेहीराम निवासी राजीव नगर और बाकरा निवासी नवीन खीचड़ (26) पुत्र प्रहलाद अच्छे दोनों थे। दोनों दोस्त शनिवार देर शाम मेला देखने के लिए कार से गए थे। बाकरा गांव में मेला लगा था। जिसे देखने के बाद दोनों घर लौट रहे थे। इस दौरान बीच रास्ते में बाकरा-देरवाला रोड पर बोलेरो गाड़ी खेत की दीवार से टकरा गई। हादसे में आशीष गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसका दोस्त नवीन खीचड़ उसे ग्रामीणों की मदद से अन्य कार से झुंझुनू के बीडीके अस्पताल



मृतक आशीष महला और नवीन खीचड़।

लाया था। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इसके बाद से ही युवक सदमे में आ गया था।

थाना अधिकारी ने बताया कि दोस्त को छोड़ने के बाद नवीन खीचड़ अस्पताल से चला गया था। रिवार 6

बजे सुबह पुलिस लाइन के पास रेल की पटरियों पर उसका शव मिला है। उसके जब से गाड़ी की चाबी मिली थी। जांच करने पता चला कि मृतक वहीं था। जिसने रात को अपने दोस्त को अस्पताल छोड़ा था। उन्होंने बताया कि

■ सड़क हादसे में आई एक जान तो दूसरे ने किया सुसाइड, एक साथ रहते थे दोनों

प्राथमिक जांच में नवीन ने दोस्त की मौत से सदमे में आकर सुसाइड किया है। जांच कर रहे हैं। पूरी जांच होने के बाद ही मामला का खुलासा हो जाएगा। एक दोस्त बाकरा तो दूसरा पास ही के गांव राजीवपुरा का रहने वाला था।

ग्रामीणों के अनुसार दोनों की दोस्ती बहुत गहरे थी। साथ ही उठते-बैठते थे। कहीं जाते थे एक साथ ही जाते थे। दोनों की शादी नहीं हुई थी। नवीन खीचड़ ड्राइवर का काम करता है। आशीष लॉरिंग मशीन पर काम करता है। दोनों ही अविवाहित हैं। दोनों के पिता खेती करते हैं। दोनों अच्छे दोस्त थे। शनिवार रात को 8 बजे आशीष नवीन के पास उसके गांव बाकरा आया था। यहां मंदिर में चल रहे मेले में चले गये। यहां से 10 बजे बाद दोनों नवीन की गाड़ी लेकर निकल गए। इसके बाद नवीन 11 बजे नवीन आशीष को छोड़ने उसके गांव जा रहा था। रास्ते में एक्सडीहोट गया।

रजिस्ट्री के बदले रूपएं मांगने का आरोप एसपी ने क्राइम मीटिंग ली

सूरजगढ़, (निर्सं)। तहसीलदार पर खुलेआम रजिस्ट्री के बदले रूपएं मांगने के आरोप लगाते हुए बार अध्यक्ष सोमवीर खीचड़ व तहसीलदार चंद्रशेखर के बीच बहस हो गई।

खीचड़ ने बताया कि सूरजगढ़ तहसील में रजिस्ट्री तस्दीक करने में तहसीलदार चंद्रशेखर खुलेआम परसेटेंज का खेल चला रहे हैं। आमजन से तहसीलदार खुलेआम रूपएं की

■ बार अध्यक्ष सोमवीर खीचड़ व तहसीलदार चंद्रशेखर के बीच हुई बहस

डिमांड कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत जाखों के कुशलपुरा के संत कुमार पुत्र दयानंद यादव ने शुक्रवार को

जमीन खरीदी थी। जिसका चालान जमा कराते हुए नियमानुसार पूरी कागजी कार्यवाही कर दी थी। जमीन रजिस्ट्री करने के बदले तहसीलदार चंद्रशेखर द्वारा रूप दिए जाने की मांग की मामले की शिकायत लेकर पीड़ित उनके पास पहुंचा। जिसके बाद तहसीलदार से मामले की जानकारी मांगी तो संतुष्टिपूर्वक जवाब नहीं दे पाए। खीचड़ ने बताया कि आए दिन इस तरह की

शिकायत मिल रही है तहसीलदार की सह पर ही इस तरह का खेल चल रहा है। जिला कलेक्टर को शिकायत की जाएगी। चंद्रशेखर यादव, तहसीलदार, सूरजगढ़ का कहना है कि आरोप निराधार है। बार अध्यक्ष सोमवीर खीचड़ संत कुमार के साथ आए थे। लेकिन उन्होंने और संत कुमार दोनों ने ही किसी भी प्रकार की लिखित शिकायत नहीं दी है।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

सादलपुर, (निर्सं)। सांखू सादलपुर सडक मार्ग पर स्थित पुल के पास रोही लम्बी छिपियान में रिवार सुबह को शत विश्वक हालात में शव मिला है। वहीं शव के मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हालांकि अभी तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। घटना को मिली सूचना पर राजगढ थाने से सब इस्पेक्टेक्टर पप्पूराम मीणा मय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा क्षत विश्वात हालात में मिले शव को राजकीय फैरुल अस्पताल राजगढ कस्बा के खेत में रखवाया है। हालात यह है कि मृतक के दोनों हाथों को कुत्ते खा चुके हैं। वहीं इस संबंध में राजगढ थाने में दर्ज प्रकरण अनुसार करणीसिंह पुत्र फुलसिंह राजपुत उम्र 65 साल निवासी वाई संख्या-02 कस्बा राजगढ पुलिस थाना राजगढ जिला चूरू ने रिपोर्ट दी है कि वह चूरू रोड रेलवे लाईन के पास रोही लम्बी में स्थित खेत बरुददीन निवासी कस्बा राजगढ का खेत काशत करता है।

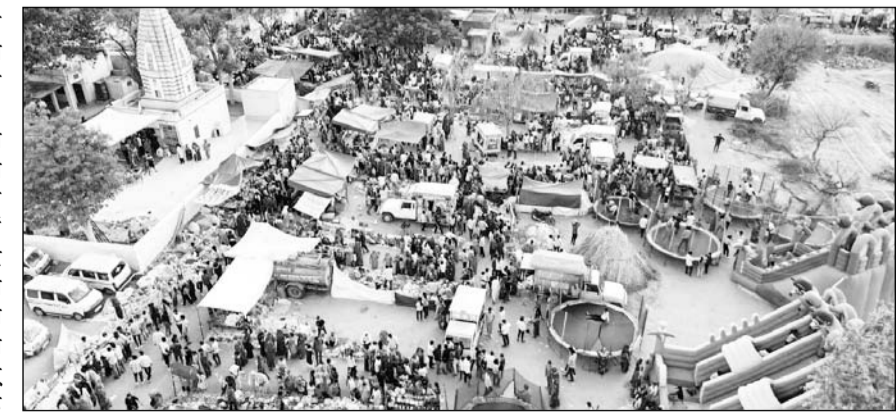
प्रदान करने और बद्माशों और असामाजिक तत्वों एवं नशीले पदार्थ, जुआ, सट्टा, आवकारी, आम्स के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। एसपी ने यातायात व्यवस्था को सुधारने सडक दुर्घटनाओं को कम करने के उपायों पर चर्चा की तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सवाधानों बरतें।

बाकरा गांव में दो दिवसीय धार्मिक वार्षिक मेले का आयोजन हुआ

पहले दिन दिल्ली से आए कलाकारों ने सजीव झांकियों की दी प्रस्तुतियां, तो दूसरे दिन हुआ कुश्ती का दंगल

झुंझुनू, (निर्सं)। झुंझुनू के बाकरा गांव स्थित लोक देवता पाला सकलाय दादा मंदिर में दो दिवसीय वार्षिक मेले का आयोजन हुआ।

पहले दिन रात को विशेष पूजा व आरती के बाद विधिवत मेले का शुभारंभ हुआ। शाम को पूजा व आरती के बाद आयोजित जागरण में कलाकारों ने बाहुबली, नृत्य नाटिका व भजनों पर डांस की प्रस्तुति दी। पूर्ण सूरपक सतीश खीचड़ ने बताया कि शाम को पंडित नवरत्न दाधीच के सानिध्य में विशेष पूजा व आरती की गई। इसके बाद हुए जागरण में कमली सपेरा सिंगर एंड पार्टी, शालू राठौड़, पूजा शर्मा, निशा कुमावत, पूनम पंजाबी ने भजनों व डांस की प्रस्तुतियां दी। बाहुबली गणेश व बाहुबली हनुमान की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। तिलकधारी दिल्ली ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। इससे पहले आयोजक सुरेश खीचड़ व राजेंद्र खीचड़ ने अतिथियों व कलाकारों का माला पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मेले में दूसरे दिन



झुंझुनू के बाकरा गांव स्थित लोक देवता पाला सकलाय दादा मंदिर में दो दिवसीय वार्षिक मेले का आयोजन हुआ।

शनिवार को दोपहर तीन बजे कुश्ती प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम में भाजपा नेता राजेंद्र भांबू, विश्वंभर पुनियां, राकेश शर्मा बगड, मदनलाल पुनियां, मनोराम खीचड़, सुभाष जांगिड़, मदनलाल खीचड़, शीशराम खीचड़, प्रताप खीचड़, रामचंद्र खीचड़,

शीशराम चाहर, होशियार सिंह, रामकरण खीचड़, विकास चौधरी, बीरबल रेपस्वाल, मुन्नालाल कुमावत, राजेश खीचड़, राजू, संजीव झाझड़िया, रामकुमार, बाबूलाल जांगिड़, राकेश खेतान, नरेंद्र टायल, विष्णु गोयनका आदि मौजूद थे। प्रतियोगिता में राजस्थान पुलिस के गोल्ड मेडलिस्ट

सहीराम चाहर, निक्कू, कर्मवीर खीचड़, सुरेंद्र चाहर, महावीर खेरवा, शुभकरण खीचड़, नरोत्तम झाझड़िया, रामकुमार, बाबूलाल जांगिड़, राकेश खेतान, नरेंद्र टायल, विष्णु गोयनका आदि मौजूद थे। प्रतियोगिता में राजस्थान पुलिस के गोल्ड मेडलिस्ट

सार-समाचार

चौकी में पुलिस पर रिंडे लगाए



सादलपुर, (निर्सं)। पुलिस चौकी सांखू फोर्ट में पुलिस प्रशासन की ओर से मूक प्राणियों को गर्मी में प्यास से बचाने के लिए रिवार को परिंडे लगाए गये। मूक प्राणियों की सेवा से शकुन मिलता है, प्यास प्राणियों को चुरगा पानी देने से कर्म बन्धन से छुटकारा मिलता है यह विचार सांखू फोर्ट पुलिस चौकी प्रभारी गोरु राम प्रजापत ने पुलिस चौकी सांखू में परिंडे लगाने के दौरान व्यक्त किया। नेमीचंद ने कहा की इस धीण गर्मी में बेजुबान पक्षियों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़े, इसलिए यह कार्य करना शुरू किया। परविन्द्र कुमार ने गर्मियों में परिंडे की उपयोगीता के बारे में बताया। पुलिस फोर्ट चौकी स्टाफ के द्वारा पुलिस चौकी सांखू एवं इसके आसपास में 21 परिंडे लगाकर नियमित पानी डालने का संकल्प लिया।

कार्यशाला आयोजित

झुंझुनू, (निर्सं)। रिवार को जिला मुख्यालय पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा आधुनिक दंत चिकित्सा पद्धति में लेजर तकनीकी के रूप में नूतन उपकरण के रूप में उपयोग किए जाने के विषय पर सेमीनार तथा वर्कशॉप का आयोजन किया गया। आईडीए सचिव डॉ. कमल मीणा ने बताया कि कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर डॉ. मलिका सेठी ने लेजर तकनीकी का आधुनिक दंत चिकित्सा में हो रहे उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. सेठी ने लेजर द्वारा पैनलेस ओरल सर्जरी, पेरियो सर्जरी तथा ओरल कैन्सर के इलाज आदि में उपयोग से इलाज का परिणाम जल्दी और मरीज के लिए आरामदायक होने की बात कही गई। सभी चिकित्सकों को बायोलोज लेजर कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा प्रेक्टिकल ट्रेनिंग दी गई। इस अवसर पर डॉ. मीना शेखावत, डॉ. भुवनेश, डॉ. सना अंसारी, डॉ. कमल मीणा, डॉ. रोमा जांगिड़, डॉ. अंजू चौधरी, डॉ. पूनम शर्मा, डॉ. उमेश लॉन्बा, डॉ. चारू जांगिड़, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ. योगेश आर्य, डॉ. अभिनव मेठी, डॉ. नवीन गर्ग, डॉ. मुकेश सैनी, सुभाष आदि ने भाग लिया।

भजन संध्या का हुआ आयोजन

रतनगढ़, (निर्सं)। स्थानीय श्री मद्गाधीश शिवालय में एकादशी रात्रि को सांवरिया सरकार का मासिक गुणगान का भव्य आयोजन हुआ जिसमें स्थानीय गायक एस. पी. वर्मा, संजय मुरारका ने भावपूर्ण भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कीर्तन के मुख्य आयोजक ओमप्रकाश मैना देवी चौधरी द्वारा ज्योति प्रज्वलन के बाद गणेश वन्दना से भजन संध्या प्रारम्भ हुई। इस अवसर पर बाबा का विशेष श्रंगार किया गया। मद्गाधीश शिवालय सेवा समिति व पुजारी राजकुमार व शुभम द्वारा पुष्पवर्षा व आर्घ्यों का उद्घाटन पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रेमकुमार रूथला, जसकरण चौधरी, सुरेश कुमार मुरारका, बालकिर्शन पोद्दार, अरूण चौधरी, अशोक चौधरी, सर्वेश चमड़िया, फतेहपुर से योगेश सराफ, प्रकाश चौधरी, रौनक बाजोरिया, विष्णु सराफ, विनोद कंदोई, सूर्यप्रकाश चौधरी, चंद्रप्रकाश सैनी, विनोद बर्कियां, सहित अनेक श्यामभेरी उपस्थित थे।

शीतल जल की व्यवस्था की

पाटन, (निर्सं)। राजकीय जिला कृषि चिकित्सालय नीमकाथाना में मरीजों की संख्या को ध्यान में रखते हुए एवं मरीजों तथा उनके परिवारों के लिए चिकित्सालय में शीतल पेयजल के लिए डॉक्टर गोविंद सिंह छापोला द्वारा दो महनों के लिए दो टंडे पानी की प्याऊ की व्यवस्था शुरू की गई है। चिकित्सालय परिसर में एक प्याऊ तो ग्रांड फ्लोर पर एवं दूसरी प्याऊ भर्ती मरीजों के लिए फर्स्ट फ्लोर पर लगाई गई है। शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. छापोला फार्म पूर्व में भी जिला अस्पताल में अनेक उपकरण भेंट किये जा चुके हैं। इस सराहनीय कार्य करने पर डॉक्टर छापोला को राजकीय जिला कृषि चिकित्सालय के पीएमओ डॉ. कमल सिंह शेखावत एवं स्टाफ ने आभार व्यक्त किया है। इस दौरान हॉस्पिटल पीएमओ डॉ. कमल सिंह शेखावत, डॉ. धर्मप्र यादव सहित अन्य डॉ. एवं नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहा।

पक्षियों के लिए परिण्डे लगाये

रतनगढ़, (निर्सं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ रतनगढ़ के तत्वावधान में गर्मियों में परीण्डा अभियान की कड़ी में रिवार को प्रधान संतोष कुमार इंदौरिया के निर्देशन एवं रतन महल के एम डी दिलीप चारण के आतिथ्य में स्काउट गाइड परिवार द्वारा पक्षियों के लिए परिंडे लगाये गये। स्काउट गाइड संगठन द्वारा प्रत्येक विद्यालय और सार्वजनिक स्थलों पर 1100 परिण्डे लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। 7 मई सोमवार पर 5:30 बजे नूवां रोड हाईवे नम्बर 11 स्थित रिसोर्ट में परिण्डे लगाये जायेंगे। इस अवसर पर एडीसी जगदीश प्रसाद शर्मा, सचिव नरेंद्र स्वामी, भैराराम प्रजापत, डूंगाराम प्रजापत, राकेश कुमार, रोहित प्रजापत, सुखाराम बांगड़ा उपस्थित थे।

संदीप सैनी को मिली जिम्मेदारी

झुंझुनू, (निर्सं)। माली सैनी समाज संस्था के जिलाध्यक्ष महेंद्र शास्त्री ने जिला स्तरीय कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही ब्लॉक स्तर पर भी जिम्मेदारियों सौंपी है। झुंझुनू ब्लॉक की जिम्मेदारी वरिष्ठ शिक्षक संदीप सैनी को सौंपी गई है। उन्हें सैनी समाज संस्था का अध्यक्ष एवं संयोजक मनोनीत किया गया है। जिला अध्यक्ष ने जल्द ही संदीप सैनी को कार्यकारिणी का विस्तार कर संगठन को मजबूत बनाने के निर्देश दिए हैं।

योग एवं आयुर्वेद चिकित्सा शिविर शुरू

झुंझुनू, (निर्सं)। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। जिसे लेकर अभी से झुंझुनू में लॉयस क्लब झुंझुनू गौरव ने गांव-गांव, ठाणी-ठाणी में योग का प्रचार प्रसार शुरू कर दिया है। इसी कार्यक्रम के तहत झुंझुनू जिला मुख्यालय के श्यामलगे हामीर खुर्द गांव में रिवार से सात दिवसीय योग और आयुर्वेद चिकित्सा शिविर शुरू हुआ। शिविर संयोजक शिव करण जानू ने बताया कि शिविर में पहले दिन 130 लोगों को परामर्श दिया गया तथा सभी की बीपी एवं डायबिटीज की निशुल्क जांच की गई। शिविर में डॉ. निकिता जानू, डॉ. प्रियंका चौधरी तथा योगाचार्य पवन सैनी और पवन कुमार ने सेवाएं दीं। इस दौरान समाजसेवी सत्यदेव दड़िया, अखिल भारतीय एवं सैनिक परिषद के सुबेदार मेजर धर्मपाल भांबू ने फीता काटकर इस सात दिवसीय निशुल्क योग और आयुर्वेद चिकित्सा का शुभारंभ किया। इस मौके पर योग शिक्षक पवन सैनी ने दो घंटे तक सभी ग्रामीणों को योग की क्रियाएं बताई और कहा कि योग से निरोग रहा जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि नियमित योग से हम बीमारियों से दूर रह सकते हैं वहीं प्रसिद्ध आयुर्वेदवाच्य डॉ. निकिता जानू ने आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में आए ग्रामीणों की विभिन्न बीमारियों की जांच की और उन्हें परामर्श दिया। लॉयस क्लब झुंझुनू गौरव के अध्यक्ष नेकीराम धुपिया ने बताया कि झुंझुनू में स्वास्थ्य को लेकर सभी को जागरूक करने के संकल्प के साथ ऐसे शिविरों का आयोजन ना केवल झुंझुनू शहर, बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी लगाए जाएंगे। शिविर संयोजक शिव करण जानू ने बताया कि शिविर में पहले दिन 130 लोगों को परामर्श दिया गया तथा सभी की बीपी एवं डायबिटीज की निशुल्क जांच की गई। शिविर में डॉ. निकिता जानू, डॉ. प्रियंका चौधरी तथा योगाचार्य पवन सैनी और पवन कुमार ने सेवाएं दीं। इस दौरान समाजसेवी सत्यदेव दड़िया, अखिल भारतीय एवं सैनिक परिषद के सुबेदार मेजर धर्मपाल भांबू, कैप्टन सीताराम धीवा, धर्मवीर धीवा, इंद्रसिंह धीवा, सुलतान जानू, दयाचंद्र मंजू, रामस्वरूप तिलोटीया, रामनिवास सिलाहल, रामनिवास डूडी, मदनलाल जानू, रामनिवास जानू, सहित गणमन्य लोग मौजूद रहे। शिविर अगले सात दिन तक रोजाना सुबह सात बजे से शुरू होकर दोपहर एक बजे तक चलेगा। शिविर में योगासन, प्राणायाम भी करवाया गया।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान, प. बंगाल एवं झारखण्ड में चुनाव प्रचार के बाद अब दिल्ली में प्रचार कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्होंने रविवार को पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के शाहदरा स्थित भाजपा जिला कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक की। इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं की तारीफ की और उनका मनोबल बढ़ाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, भाजपा के विकास कार्यों के कारण 2014 के बाद देश में बड़ा परिवर्तन आया है और यह परिवर्तन ही भाजपा को आम चुनाव में जीत दिलाया।

'2014 से पहले और बाद का अंतर ही भाजपा को तीसरी बार विजय दिलाएगा'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के शाहदरा में भाजपा कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक में कहा कि, आम जनता ने नये भारत का अंतर खुद देखा और महसूस किया है

नई दिल्ली/जयपुर 5 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में शाहदरा स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि, 2014 के पश्चात गरीब कल्याण एवं विकास की योजनाएँ, सीमाओं की सुरक्षा, दुनिया में भारत का बढ़ता गौरव, आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्ति होते आम जनता ने देखा है।

वर्ष 2014 से पहले क्या हुआ करता था ये भी जनता ने देखा है। जनता में ये विश्वास है कि, अगर देश को कोई आगे बढ़ा सकता है तो वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। इसलिए मैं कह सकता हूँ, हमारा कार्यकर्ता भी पूर्ण रूप से विश्वास के साथ जनता के बीच जाकर काम करता है। दिल्ली में हम सातों सीटें जीतेंगे और बड़े मार्जिन से जीतेंगे।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि, भाजपा के कार्यकर्ता को जो भी दायित्व देते हैं, वह उसे पूरा करता

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दावा किया कि, दिल्ली में हम सातों सीटें जीतेंगे और बड़े मार्जिन से जीतेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं की तारीफ की और कहा कि, हमारे कार्यकर्ता बहुत ही सजग हैं, उनको जो भी दायित्व मिलता है वे उसे पूरा करते हैं।

शर्मा ने कहा कि, राजस्थानी प्रवासी हमेशा राष्ट्रवाद, संस्कृति एवं विचार से जुड़ा हुआ है और अपनी माटी को वे भूले नहीं हैं। दिल्ली में ही नहीं पूरे देश में प्रवासी राजस्थानियों की गूँज है। राष्ट्रवाद की विचारधारा से जुड़कर राजस्थानी प्रवासी हमेशा प्रदेश के गौरव को बढ़ाने का काम करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, भाजपा

क्षेत्रों से भाजपा प्रत्याशियों के लिए जनसभाओं को एंव अन्य कार्यक्रमों को संबोधित किया और आगामी लोकसभा चुनाव के दिन भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

शर्मा ने कहा भाजपा गरीब, मजदूर और किसानों की पार्टी है, सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि, केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने शानदार काम किया है और हमारी सरकार ने गरीब, कमजोर और बेघर परिवारों को मकान देने का काम किया है, बिजली और पानी की व्यवस्था भी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि, चुनावी मौसम में सपने दिखाने वाले झूठे वादे करने वाले आयोग, इनकी लूट और झूठ की दुकान है। इनका जवाब वोट से देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जनसभा में भारी जन-संलग्नता के साथ भाजपा के कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के दो लोकसभा

प्रज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल से सम्पर्क से साधा कर्नाटक सरकार ने

कर्नाटक सरकार ने प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने के बाद एक और बड़ा एक्शन लिया

बेंगलूर, 5 मई (वार्ता) कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को कहा कि, यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे हासन लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना को वापस लाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने के साथ ही इंटरपोल से भी सहायता मांगी गई है।

डॉ. परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एक विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) को रेवन्ना (33) पर लगाये गये यौन शोषण के आरोपों की जांच का काम सौंपा गया है और वह उनको भारत वापस लाने की दिशा में आवश्यक कदम सुनिश्चित करेगा।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा है कि, प्रदेश सरकार प्रज्वल रेवन्ना को वापस लाने की दिशा में हर संभव कदम उठायेगी।

गौरतलब है कि, प्रज्वल रेवन्ना की अग्रिम जमानत याचिका बेंगलूर की एक स्थानीय अदालत ने पहले ही खारिज कर दी है।

उन्होंने कहा, "ब्लू कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। इंटरपोल रेवन्ना का पता लगाने के लिए सभी देशों को सूचना भेजेगा।"

उन्होंने मामले की जांच में एस.आई.टी. के प्रयासों की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि टीम ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर कानूनी प्रोटोकॉल का सावधानीपूर्वक पालन

किया है। उन्होंने यौन शोषण के आरोपों से संबंधित अपहरण के एक मामले में रेवन्ना के पिता एच.डी. रेवन्ना की हाल ही में हुई गिरफ्तारी की ओर इशारा किया। जनता दल (सेक्युलर) (जे.डी.एस.) विधायक रेवन्ना पर छेड़छाड़ और अपहरण का आरोप है। एक स्थानीय अदालत द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के

बाद शनिवार को एस.आई.टी. ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

यौन शोषण मामला, जिसमें कथित तौर पर जे.डी.एस. संरक्षक एवं पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को चित्रित करने वाले स्पष्ट वीडियो क्लिप शामिल हैं, ने हासन में विवाद को जन्म दिया है।

इसके बाद राज्य सरकार ने सांसद पर लगे आरोपों की गहन जांच के लिए एस.आई.टी. का गठन किया।

अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग निकाय द्वारा जारी ब्लू कॉर्नर नोटिस का उद्देश्य किसी व्यक्ति को पहचान, स्थान या अपराध से संबंधित गतिविधियों के संबंध में सदस्य देशों से अतिरिक्त जानकारी एकत्र करना होता है।

करौली-धौलपुर... 'पुंछ में सुरक्षाबलों पर आतंकी हमला भाजपा की चुनावी स्टंटबाजी'

पंजाब के पूर्व मु.मंत्री एवं कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने पुंछ के आतंकी हमले पर कई सवाल उठाये

जालंधर, 5 मई। पंजाब के जालंधर सीट से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पुंछ आतंकी हमले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने वायु सेना के काफिले पर शनिवार शाम को हुए अटैक को स्टंटबाजी करार दिया। चन्नी ने कहा, 'ये स्टंटबाजी हो रही है। हमले नहीं हो रहे। पिछली बार भी चुनाव आया तो ऐसे स्टंट खेले गए और बीजेपी को जिताने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि, पहले से तैयारी करके हमले करवाए जाते हैं। यह भाजपा को जिताने का स्टंट होता है और इसमें कोई सच्चाई नहीं होती। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि, लोगों को मरवाना और उनकी लाशों पर खेलना तो भाजपा को आता है।

चरणजीत सिंह चन्नी ने इस दौरान किसानों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, भाजपा किसानों को खतम करना चाहती है। ऐसा करके वह पंजाब को दबाना चाहती है। पंजाब की अर्थव्यवस्था को तहस-नहस करने का

प्लान है। उन्हें पता है कि, अगर हम किसान को खतम कर देंगे, खेती को खतम कर देंगे तो पंजाब रुक जाएगा। चन्नी ने शनिवार को कहा था कि, सिद्ध मुसलमान हत्याकांड में सुरक्षा लौक करने वाले के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगतवंत मान और उनके सहयोगियों को नामजद किया जाना चाहिए। साथ ही उनकी ओर से गैंगस्टर्स को किए गए भुगतान की जांच की जानी चाहिए। चन्नी ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि, यह राजनीतिक हत्या है और इसके एक सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया गया है।

बता दें कि, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में वायुसेना के काफिले पर हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। इस मामले में कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन और सेना व खुफिया एजेंसियों के सीनियर अधिकारियों ने सूरनकोट क्षेत्र में हमला स्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि, सेना ने हेलीकॉप्टर के जरिए हवाई निगरानी भी की।

जे.पी. नड्डा की रैली में जा रहे 15 लोग हादसे का शिकार

सरगुजा, 5 मई (वार्ता)। जिले के धौरपुर क्षेत्र से रविवार को पहाड़ी कोरवा ग्रामीणों को सूरजपुर राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की सांजपुर आमसभा में ले जा रही स्कूल बस धौरपुर थाना क्षेत्र में पलट गई हादसे में बस में सवार 15 लोग घायल हो गए घायलों में 4 लोगों का धौरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। जबकि बाकियों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

सूरजपुर में सरगुजा लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की आमसभा आयोजित थी। आमसभा में ग्रामीणों को ले जाने के लिए धौरपुर से ग्राम सपड़ा के सरईपानी से स्कूल बस में करीब 30 पहाड़ी कोरवा सवार होकर सुबह सूरजपुर में रवाना हुए।

ग्रामीणों से भरी बस ग्राम भंडिया के पास लहराते हुए अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे ग्रामीणों में अफरा-

हादसे में करीब 15 लोगों को चोटें आई हैं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौरपुर में भर्ती कराया गया है।

तफरी मच गई। अधिकांश यात्री खुद बाहर आ गए। कुछ को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। हादसे में करीब 15 लोगों को चोटें आई हैं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौरपुर में भर्ती कराया गया है। बस के चालक ने बताया कि, खराब रास्ते में बस अनियंत्रित हो गई। ओवरलोड होने के चलते संभल नहीं आई और बस पलट गई।

इस मामले में धौरपुर पुलिस ने बस के चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

छत्तीसगढ़: कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने पार्टी छोड़ी

राधिका खेड़ा ने आरोप लगाया कि, राम मंदिर का दर्शन करने के बाद से ही पार्टी के अंदर उन्हें रोज प्रताड़ित किया जा रहा था

रायपुर, 5 मई। लोकसभा चुनाव के बीच अब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। यहां से कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पार्टी पर महिलाओं के अपमान का आरोप लगाया था। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपे अपने इस्तीफे में कहा है कि वह अयोध्या जाने से खुद को रोक नहीं तो पार्टी में उनका विरोध होने लगा और जब उन्होंने इंसफ मांगा तो उन्हें वो भी देने से इनकार कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि, उन्होंने बार-बार शीर्ष नेताओं को उनके अपमान के बारे में बताया लेकिन इसके बावजूद उन्हें न्याय नहीं मिला। इसी बात से आहत होकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला लिया।

होकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा, मैंने जिस पार्टी को अपने 22 साल से ज्यादा दिए, जहां एनएसयूआई से लेकर ए.आई.सी.सी. के मीडिया विभाग में पूरी ईमानदारी से काम

राधिका खेड़ा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपे अपने इस्तीफे में कहा है कि, वे अयोध्या जाने से खुद को नहीं रोक सकी, उसके बाद लगातार पार्टी में उनका विरोध होने लगा और जब उन्होंने इंसफ मांगा तो उन्हें वो भी देने से इनकार कर दिया गया।

राधिका खेड़ा ने कहा है कि, उन्होंने बार-बार शीर्ष नेताओं को उनके अपमान के बारे में बताया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें न्याय नहीं मिला। इसी बात से आहत होकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला लिया।

होकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा, मैंने जिस पार्टी को अपने 22 साल से ज्यादा दिए, जहां एनएसयूआई से लेकर ए.आई.सी.सी. के मीडिया विभाग में पूरी ईमानदारी से काम

एक पोस्ट कर पार्टी में महिलाओं के अपमान का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, कोशल्या माता के मायके में बेटी सुरक्षित नहीं है। पुरुषवादी मानसिकता से ग्रसित लोग आज भी बेटियों को पैरों तले कुचलना चाह रहे हैं। खुलासा करूंगी !!

एक पोस्ट कर पार्टी में महिलाओं के अपमान का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, कोशल्या माता के मायके में बेटी सुरक्षित नहीं है। पुरुषवादी मानसिकता से ग्रसित लोग आज भी बेटियों को पैरों तले कुचलना चाह रहे हैं। खुलासा करूंगी !!

टिकट लौटाने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) वापस किया कि पार्टी उन्हें चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद उपलब्ध नहीं कर रही है। उन्होंने यह भी कहा था कि, यदि पार्टी उन्हें आर्थिक सहायता देती है तो वह चुनाव लड़ेंगे लेकिन कांग्रेस ने मदद करने की बजाय पुरी सीट पर नया उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

प्रज्वल रेवन्ना की शिकायत लेकर पहुँची तीन और पीड़ित महिलायें

बेंगलूर, 5 मई। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल केस में बड़ा अपडेट सामने आया है। मामले की जांच कर रही एस.आई.टी. ने जे.डी.एस. के फरार सांसद और हासन से उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना की विदेश में तलाश तेज कर दी है। इस बीच अश्लील वीडियो कांड की तीन और पीड़ितों ने एस.आई.टी. से संपर्क किया है। सूत्रों ने कहा कि, एच.डी. रेवन्ना की गिरफ्तारी के बाद पीड़ितों ने एस.आई.टी. से संपर्क किया है। अधिकारी जल्द ही उनके बयान दर्ज कर सकते हैं। इस संबंध में अभी और जानकारी सामने आना बाकी है। वहीं ऐसी अफवाहें हैं कि अपने पिता जे.डी.एस. विधायक एच.डी. रेवन्ना की गिरफ्तारी के बाद प्रज्वल रेवन्ना जल्द ही अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर सकते हैं। एस.आई.टी. की एक टीम प्रज्वल रेवन्ना की गतिविधियों के बारे में जुटाई

कर्नाटक सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार करने विदेश में उनकी लोकेशन पर पहुँची।

जानकारी के आधार पर पहले ही एक विदेशी स्थान पर पहुँच चुकी है। टीम स्थानीय एजेंसियों और सा.बी.आई. के समन्वय से उसे गिरफ्तार करेगी। टूट कर दिया गया स्थान हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट था। प्रज्वल रेवन्ना अपना स्थान बदल रहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रज्वल रेवन्ना रविवार को मंगलूर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुँच सकते हैं। हालाँकि एसआईटी का कहना है कि, उनके पास यह भी जानकारी है कि, प्रज्वल रेवन्ना लोस. चुनाव के बाद ही वापस आएंगे।

मेघालय: युवती से रेप का प्रयास कर रहे दो लोगों को भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला

पुलिस ने बताया कि घर में घुसकर आरोपियों ने युवती पर चाकू से हमला किया और उसके साथ रेप करने की कोशिश की

मेघालय, 5 मई। मेघालय के पूर्वी पश्चिमी खासी हिस्से जिले में 2 लोगों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों पर 18 वर्षीय एक किशोरी से बलात्कार का प्रयास करने के आरोप था। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि, यह घटना शुक्रवार दोपहर को जिला मुख्यालय मैरांग के नॉंगथिल गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक, युवती ने आरोप लगाया कि, जब वह घर में मौजूद थी तो दोनों ने उस पर चाकू से हमला किया और उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश की। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी वहां आ गए और उन्होंने दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया।

इसके बाद भीड़ उन्हें पास के सामुदायिक हॉल में ले गई और वहां दोनों के साथ मारपीट की। पुलिस ने उन्हें

पीड़िता ने बताया कि, उसकी चीख सुनकर पड़ोसी वहां आ गए और उन्होंने दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया। इसके बाद भीड़ उन्हें पास के सामुदायिक हॉल में ले गई और वहां दोनों के साथ मारपीट की।

बचाने की कोशिश की लेकिन बचा नहीं सका। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हॉल से भीड़ के चले जाने के बाद ही दोनों को बाहर लाया गया। उन्होंने बताया कि दोनों में से एक की मौत तिरोंट सिंग मेमोरियल सिविल अस्पताल में

हुई, जबकि दूसरे ने शिलांग सिविल अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

अधिकारी ने बताया कि वंदे भारत, झेलम, बेगमपुरा, हिमगिरी एक्सप्रेस, पूजा सुपरफास्ट, राजधानी, उत्तर संपर्क क्रांति, स्वराज एक्सप्रेस और मालवा सुपरफास्ट, सियालदह एक्सप्रेस सहित दोनों को निर्धारित मार्ग के बजाय वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से अपने गंतव्य की ओर भेजा जायगा, जिससे उनके आगमन में देरी हो सकती है।

किसानों ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) तरह से गड़बड़ हो गयी है। उन्होंने बताया कि, रेलवे ने जम्मू मेल, शालीमार, श्री माता वैष्णो देवी-कालका एक्सप्रेस और उधमपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एसी एक्सप्रेस को सात मई तक रद्द करने का आदेश दिया गया है।

अखिलेश के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) अराजक तत्वों ने चौराहे पर लगी महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर चढ़कर नारेबाजी और अभद्रता की। कुछ लोग सपा का झंडा लिए हुए थे। रात दो बजे एक और वीडियो वायरल हुआ जिसमें भाजपा समर्थक महाराणा प्रताप की प्रतिमा की पानी से धुलाई कर रहे हैं। तनाव को देखते हुए रात में ही मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

अमेठी से टिकट नहीं मिलने पर रॉबर्ट वाड्रा ने भावुक पोस्ट लिखा

वाड्रा ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि, राजनीति की कोई भी शक्ति या पद हमारे परिवार के बीच नहीं आ सकती

नई दिल्ली, 5 मई। चुनाव से पहले चर्चा थी कि इस बार रॉबर्ट वाड्रा कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी की सीट पर प्रत्याशियों का ऐलान करने में भी खासी देरी की। रायबरेली सीट पर राहुल गांधी तो अमेठी सीट पर कांग्रेस के करीबी किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया गया है। इसी बीच रॉबर्ट वाड्रा ने फेसबुक पर भावुक पोस्ट किया है। बता दें कि, अमेठी का फैसला राजनीतिक पंडितों के लिए भी चौकाने वाला था।

रॉबर्ट वाड्रा ने पोस्ट में आगे लिखा कि, हम सभी अपने महान राष्ट्र की जनता और जनता की बेहतरी के लिए हमेशा काम करेंगे और करते रहेंगे। मैं सदैव अपनी जनसेवा के माध्यम से यथासंभव लोगों की मदद करूंगा।

गौरतलब है कि, रॉबर्ट वाड्रा कई बार अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके हैं। अमेठी से उम्मीदवार के ऐलान के बाद यह रॉबर्ट वाड्रा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है।

बता दें कि रॉबर्ट वाड्रा ने सक्रिय राजनीति में आने का इरादा जताया था। कयास थे कि, अगर अमेठी से उन्हें टिकट भी दिया जा सकता है। हालाँकि कांग्रेस के फैसले ने सबको हैरान कर दिया। वाड्रा ने कहा था कि, वह जनता के बीच रहते हैं इसलिए राजनीति में आ सकते हैं। वहीं भाजपा ने भी अमेठी और रायबरेली का किट फाइनल होने के बाद तंत्र कसते हुए कहा था कि, वाड्रा परिवार को किनारा कर दिया गया है। गौरतलब है कि अमेठी की सीट पर प्रियंका गांधी को भी टिकट मिलने की चर्चा है कि लेकिन कांग्रेस ने उनको भी दरकिनार कर दिया है। अमेठी के कांग्रेस कार्यकर्ता प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाने की लंबे समय से मांग कर रहे थे।